RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः292, सोमवार, 03 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

बक्सर में मनोज तिवारी के काफिले पर हमला... 03

बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया जी जिला की सांगठनिक चुनाव संपन्न... 04

जान्हवी कपूर ने सुंदर दिखने के लिए कराई सर्जरी बोलीं- सब मां के मां के मार्गदर्शन... 07

## तूफान मोन्था का असर खत्म, अब बारिश नहीं, ठंड बढ़ेगी

**राजस्थान-एमपी में बारिश संभव,दिल्ली में हवा हुई प्रदूषित**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मोन्था तूफान का असर लगभग खत्म हो गया है। इसके रूट में आने वाले राज्यों में अब बारिश नहीं होगी। हालांकि राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक पहाड़ी राज्यों और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान में गिरावट होगी, जिससे ठंड बढ़ेगी। हिमाचल में 4 और 5 नवंबर को बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। तीन नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस ऐक्टिव होगा। फिलहाल कुकुमसेरी में तापमान माइनस 1.2 और ताबो में माइनस 0.8 चल रहा है। इधर, राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई

इलाकों में प्रदूषण गंभीर होता जा रहा है। रविवार को हवा क्वालिटी और बिगड़ गई। एनसीआर और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया है। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीएक्यूएम के आदेश को लागू करते हुए दिल्ली सरकार ने शनिवार को बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल वाहनों ट्रक, टेम्पो, लोडर आदि डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया है।

### गुजरात में भारी बारिश के चलते गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द

गुजरात के सौराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। बेमौसम बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित जूनागढ़ जिला प्रभावित है। इसके चलते जूनागढ़ में हर साल एकादशी के बाद होने गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से हरी झंडी मिलने तक परिक्रमा मार्ग पर प्रवेश न करने की अपील की है, और सुरक्षा कारणों से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को परिक्रमा में न आने के लिए कहा गया है। गिरनार की लीली परिक्रमा 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित थी। यह परिक्रमा भजन, भक्ति और भोजन का संगम है।

### ठंड बढ़ेगी,4 नवंबर से ऐक्टिव होगा वेस्टर्न डिस्टरबेंस

पंजाब में रात के तापमान में 1.6 डिग्री की गिरावट देखने को मिली है। 4 नवंबर को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। जिसके बाद पहाड़ों पर बर्फबारी व बारिश की संभावना हैं। पंजाब में भी इस वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर होगा और हिमाचल से सटे जिलों में बारिश हो सकती है लेकिन, इससे प्रदूषण से राहत मिलती नहीं दिख रही। यूपी में तीन दिन के बाद बारिश तो थम गई है, लेकिन धान की फसलें अभी भी डूबी हैं। कहीं पक कर कटने को तैयार धान की फसल गिर गई है।

## जनसंख्या नीति जल्द लाने की जरूरत, तभी दूर होगा असंतुलन

- आरएसएस ने की मोदी सरकार से मांग, कहा- यह वक्त की जररूरत
- होसबाले बोले- घुसपैठ,धर्मांतरण और एक ही समुदाय का दबदबा घातक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केंद्र सरकार से जनसंख्या नीति जल्द तैयार करने की अपील की है, ताकि जनसांख्यिकीय असंतुलन को सुधारा जा सके। होसाबले ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक के अंतिम दिन यह बयान दिया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, सरकार ने इसे खुले मंच पर और संसद में भी उल्लेख किया है। वो जनसंख्या नीति जितनी जल्दी होगी, उतना ही उसका लाभ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का जिक्र किया था। उन्होंने इससे निपटने के लिए एक उच्चस्तरीय मिशन की भी घोषणा की थी। इसी तरह, फरवरी 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले अंतरिम बजट भाषण में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे का उल्लेख किया। उन्होंने तीव्र जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चुनौतियों पर विचार करने के लिए उच्चस्तरीय समिति की घोषणा की थी।

## न तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे, न राहुल प्रधानमंत्री

**बिहार में अमित शाह बोले-दोनों जगह खाली नहीं**

**नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा की। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा- आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना। शाह ने कहा- लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतिश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं। शाह ने कहा- आपको किसी उम्मीदवार को विधायक या मंत्री बनाने के लिए वोट नहीं देना चाहिए। आपको बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है। लालू-राबड़ी के 15 साल के राज में बिहार का पतन हुआ था।

**दुलारचंद हत्याकांड**

## अनंत सिंह हो गए गिरफ्तार

- सिविल कोर्ट में पेशी,ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पहुंची पुलिस

**आधी रात घर से हुई गिरफ्तारी, रातभर रंगदारी सेल में रहे**

**पटना (एजेंसी)।** मोकामा में जनसुराज नेता दुलारचंद की हत्या के मामले में पटना पुलिस ने शनिवार की देर रात बाहुबली अनंत सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने पेशी के लिए अनंत सिंह को ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पटना सिविल कोर्ट पहुंची हैं। शनिवार रात में करीब 150 पुलिस वालों के साथ टीम अनंत सिंह के बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित घर पहुंची थी। इसे पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा

लीड कर रहे थे। पुलिस ने अनंत सिंह को घर से उठाया और पटना लेकर आई। 11 घंटे से अनंत सिंह रंगदारी सेल में हैं। बताया जाता है कि वो रात भर सोए नहीं और पुलिस से कहते रहे कि घटना के वक्त मैं काफिले के साथ आगे निकल चुका था।

- पटना एसएसपी बोले-हत्या के वक्त अनंत सिंह मौजूद थे- पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया, 30 अक्टूबर को 2 प्रत्याशियों के गुर्टों में झड़प हो गई। पथराव हुआ, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद एक शव बरामद किया गया। मृतक, 75 वर्षीय दुलारचंद यादव, उसी गांव के निवासी थे जहां यह झड़प हुई थी। दोनों पक्षों ने मामला दर्ज कराया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और मृतक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया और यह एक गंभीर मामला है। यह सब अनंत सिंह की मौजूदगी में हुआ।

## चुनाव बाद कांग्रेस-आरजेडी एक-दूसरे का सिर फोड़ेंगे

- पीएम बोले-आरजेडी ने कट्टे के बल पर लिया सीएम का पद

**बिहार में पीएम ने कहा-नामदार ऑपरेशन सिंदूर से सदमे में हैं**

**आरा (एजेंसी)।** पीएम मोदी ने बिहार के नवादा में सभा की। इससे पहले उन्होंने आरा में सभा की। पीएम ने कहा, कि मैं आपको अंदर की बात बता रहा हूं। नामांकन वापस लेने से पहले बिहार में गुंडागर्दी का खेल खेला गया था। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर आरजेडी के नेता का नाम हो। आरजेडी ने भी मौका नहीं छोड़ा। आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया। सिर पर कट्टा रखकर कांग्रेस से सीएम पद की घोषणा करवाई गई। आरजेडी-कांग्रेस में भयंकर झगड़ा बढ़ गया है। चुनाव से पहले इतनी दुश्मनी बढ़ गई है कि चुनाव के बाद ये एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे। ऐसे लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते हैं।

- **बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए**- बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए, इसलिए फिर एक बार एनडीए सरकार। एक तरफ हमारा घोषणा पत्र है दूसरी तरफ महागठबंधन वालों का घोषणा पत्र है। इनके मेनिफेस्टो में सब झूठ है। जनता जनार्दन को बुड़बक बूझे हो क्या। ये पब्लिक है सब जानती है। विकसित बिहार, विकसित भारत का आधार है। जब मैं विकसित बिहार की बात करता हूं, तो इसका मतलब है बिहार का औद्योगिक विकास, बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोजगार है। आरा के इस मंच से मैं कहता हूं कि आपका सपना ही हमारा संकल्प है।

### नरसंहार के दोषियों सम्मान दे रही कांग्रेस

अगर आरजेडी बिहार में जंगलराज और तुष्टिकरण की राजनीति लाई, तो कांग्रेस की पहचान सिखों के नरसंहार से जुड़ी है। यह 1 और 2 नवंबर 1984 की बात है। आज भी 2 नवंबर है। कांग्रेस के लोगों ने 1 और 2 नवंबर 1984 को दिल्ली और देश के कई अन्य हिस्सों में सिख नरसंहार को अंजाम दिया था। आज भी कांग्रेस अपनी पार्टी में सिख नरसंहार के दोषियों को पूरे सम्मान के साथ नए पद दे रही है। उन्हें बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस हो या राजद, उन्हें अपने पापों का कोई पछतावा नहीं है। आपने देखा है कि आपका ये बेटा तो छठी मैया की जय-जयकार दुनिया में कराने में लगा है। दूसरी तरफ ये कांग्रेस और आरजेडी के लोग छठी मैया का अपमान कर रहे हैं।

### फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा दिया

आपकी भीड़ देखकर साफ समझ आ रहा है कि इस बार बिहार में सुशासन की सरकार आ रही है। इस बार एनडीए की सरकार बनने जा रही है। कहिए फिर एक बार सुशासन सरकार फिर एक बार एनडीए सरकार। ऐसे लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते हैं। साथियों बिहार को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग चाहिए। उद्योग के लिए जमीन, बिजली, कनेक्टिविटी और कानून का राज चाहिए।

## हिंसा की कोई भी घटना नहीं की जाएगी बर्दाश्त

- बिहार के मोकामा हत्याकांड पर बोले सीईसी ज्ञानेश कुमार

**चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग की हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराया।

उन्होंने बिहार के मतदाताओं को आश्वासन दिया कि बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, रिटर्निंग ऑफीसर, जिला परिषद अधिकारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तैयार हैं, जो पूरे विश्व के लिए एक मानक स्थापित करेगा।

रविवार को सीईसी ने कहा, मैं सभी से अपील करना चाहता हूं कि चुनाव प्रक्रिया में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। निर्वाचन आयोग स्पष्ट करना चाहता है कि हिंसा के प्रति शून्य सहनशीलता है। कोई भी हिंसा की घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निर्वाचन आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदाता शांति से मतदान कर सकें। हमारे 243 रिटर्निंग ऑफीसर, उतने ही पर्यवेक्षक, हर जिले के कलेक्टर, जिला अधिकारी, एसपी, एसएसपी, पुलिस पर्यवेक्षक... सभी तैयार हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त की यह टिप्पणी मोकोमा विधानसभा क्षेत्र में 30 अक्टूबर को दुलारचंद यादव की हत्या के बीच आई हैं, जब वे जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी की रैली में मौजूद थे। हत्या के बाद, मोकोमा से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार अनंत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

## बेगूसराय में तालाब में कूदे राहुल, मछली पकड़ने लगे

- बोले-पीएम मोदी के ऑर्डर पर चल रही है बिहार सरकार

**कहा-मोदी सिर्फ ट्रम्प नहीं, अडाणी-अंबानी से भी डरते हैं**

**खगड़िया (एजेंसी)।** लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने खगड़िया में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, बिहार की सरकार दिल्ली से मोदी जी के ऑर्डर पर चल रही है। यहां आप लोगों के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है, लेकिन मोदी जी के पास अडाणी, अंबानी के लिए बहुत जमीनें हैं। आज सुबह मैं और सहनी जी तालाब में मछली पकड़ने गए। ये इसलिए क्यों कि लोगों को लगे की मेरे साथ राहुल गांधी खड़े हैं। पीएम मोदी कहते हैं फेसबुक चलाइए। इंस्टाग्राम चलाइए। ऐसा क्यों, ऐसा इसलिए कि वो नहीं चाहते की आप दूसरी चीजों की बातें करें। आप जो डेटा इस्तेमाल करने के लिए पैसे देते हैं वो ये अडाणी और अंबानी को देते हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। सभा के बाद वो वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ 3 किमी दूर तालाब में पहुंचे। मछुआरों के साथ मिलकर जाल से मछलियां पकड़ीं।

## राजस्थान में रेत के धोरों में गरज रहे हैं टैंक

- 28000 फीट की ऊंचाई से दागी जा रही हैं मिसाइलें
- आर्मी-नेवी और एयरफोर्स के जवान दिखा रहे हैं दम

**जैसलमेर (एजेंसी)।** रेत के धोरों में टैंक गरज रहे हैं। 28 हजार फीट तक की ऊंचाई से लड़ाकू विमानों ने मिसाइलें दागीं।

सेना के जांबाज चुन-चुनकर दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीनों सेनाओं की ये सबसे बड़ी एक्सरसाइज है। आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के संयुक्त अभियान के तहत जैसलमेर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से लेकर कच्छ (गुजरात) तक युद्धाभ्यास चल रहा है। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा। भारत पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर 'अभ्यास त्रिशूल' के जरिए अपनी सैन्य ताकत

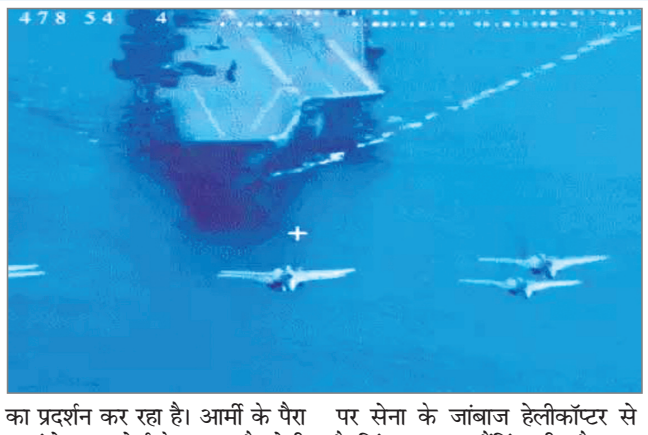

का प्रदर्शन कर रहा है। आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस अपना दम दिखा रहे हैं। दुश्मन के बनाए काल्पनिक ठिकानों पर सेना के जांबाज हेलीकॉप्टर से रैपलिंग या एयर-लैंडिंग की और 10 मिनट के अंदर सब कुछ तहस-नहस कर दिया। इस दौरान टी-90 टैंकों ने रेगिस्तान में धूल उड़ाते हुए तेजी से आगे बढ़ते और फायरिंग करते हुए अभ्यास किया।

इस दौरान लड़ाकू जेट ने खतरनाक क्लोज-फॉर्मेशन, उड़ान के दौरान ईंधन भरने और बॉम्बिंग रन की प्रैक्टिस की। सेना ने हाल ही में इसका वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी है। अभ्यास त्रिशूल में 28 हजार फीट की ऊंचाई तक वायुसेना के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर मिशन चला रहे हैं। जमीन पर थलसेना के टी-90 टैंक, तोपखाने और रॉकेट सिस्टम ने मोर्चा संभाला है, जबकि नौसेना ने समुद्री इलाकों और तटीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया है।

### कच्छ के क्रीक और सर क्रीक पर फोकस

इस बार 'त्रिशूल' का एक अहम हिस्सा गुजरात के कच्छ क्षेत्र और विवादित सर क्रीक बॉर्डर के पास केंद्रित है। पाकिस्तान ने हाल के महीनों में यहां अवैध निर्माण और सैन्य ढांचा खड़ा करने की कोशिशें की हैं। इस अभ्यास के जरिए भारत ने यह साफ संदेश दिया है कि वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सर क्रीक बॉर्डर की लंबाई करीब 68 किमी है, जबकि इसके आगे लगभग 36.4 किमी का दलदली इलाका भारत-पाकिस्तान के बीच विवादित माना जाता है। यह इलाका निगरानी और सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है।

## संक्षिप्त समाचार

### खेसारी लाल यादव राघोपुर में तेजस्वी के लिए करेंगे प्रचार, हाजीपुर में करेंगे रोड शो, मतदाताओं से मांगेंगे समर्थन

**हाजीपुर**। वैशाली में भोजपुरी सिनेमा जगत के सुपरस्टार और छपरा विधानसभा क्षेत्र 118 से उम्मीदवार शत्रुघन कुमार उर्फ खेसारी लाल यादव आज राघोपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी दौरे पर होंगे। वह राघोपुर से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के पक्ष में मतदाताओं से समर्थन का आह्वान करेंगे। खेसारी लाल यादव दोपहर करीब 1 बजे बिदुपुर स्थित संत कबीर महंत रामदयाल दास महाविद्यालय के प्रांगण में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। यह सभा राघोपुर विधानसभा क्षेत्र 128 से तेजस्वी यादव के पक्ष में आयोजित की जा रही है।

बता दें कि तेजस्वी यादव इस सीट से लगातार तीसरी बार चुनावी मैदान में हैं। राघोपुर कार्यक्रम के बाद खेसारी लाल यादव शाम 4 बजे के करीब हाजीपुर में रोड शो करेंगे। यह रोड शो सराय से शुरू होकर हाजीपुर तक आयोजित किया जाएगा। भोजपुरी स्टार के इस रोड शो में जनसैलाब के उमड़ने की उम्मीद है। इस दौरे की खास बात यह है कि खेसारी लाल यादव इस बार स्वयं छपरा विधानसभा क्षेत्र 118 से एक उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में, वह न केवल एक प्रचारक, बल्कि एक सहयोगी उम्मीदवार के तौर पर तेजस्वी यादव के लिए जनसमर्थन जुटाएंगे। बता दें कि राघोपुर विधानसभा सीट पर आज एक ही परिसर के 'आगे' और 'पीछे' दो भोजपुरी सुपरस्टार एक साथ चुनावी जनसभा करेंगे। एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार यादव के समर्थन में पवन सिंह का कार्यक्रम संत कबीर महाविद्यालय के पीछे स्थित रामदौली खेल मैदान में है। वहीं महज कुछ कदमों की दूरी पर उसी महाविद्यालय के आगे के ग्राउंड में आरजेडी प्रत्याशी तेजस्वी यादव की तरफ से खेसारी लाल यादव जनसभा को संबोधित करेंगे। माना जा रहा है कि खेसारी लाल यादव की लोकप्रियता का रंग इस चुनावी सभा और रोड शो में देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से गठबंधन द्वारा राघोपुर और हाजीपुर क्षेत्र में अपने समर्थन को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। राघोपुर विधानसभा सीट लंबे समय से लालू परिवार के प्रभाव वाली रही है। साल 2010 को छोड़कर यह सीट लगातार आरजेडी या उसके उम्मीदवार के पास रही है। 2010 में ही एनडीए के सतीश कुमार यादव ने राबड़ी देवी को हराया था।

### तेजस्वी यादव का एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार को ऑफर, सरकार बनी तो उचित पद दिया जाएगा

**हाजीपुर**। वैशाली के राघोपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने जनता से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि राघोपुर की जनता ने पिछले 10 साल से उनके माता-पिता और उन्हें साथ दिया है, और इस बार भी उन्हें सेवा करने का मौका दिया जाए। इस दौरान उन्होंने एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार को अपनी पार्टी में शामिल होने का ऑफर भी दिया। तेजस्वी यादव ने कुछ "बाहरी लोगों" पर राघोपुर पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाया और दावा किया कि यहां केवल लालटेन (राजद का चुनाव चिह्न) ही जलेगा। उन्होंने अपनी पिछली 17 महीने की सरकार में 5 लाख लोगों को नौकरी देने का दावा किया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा को इस बार उम्मीदवार नहीं मिल रहा है, और उनकी लड़ाई सतीश कुमार से नहीं है, जिन्हें एनडीए ने फिर से टिकट दिया है। राजद नेता ने राघोपुर में डिग्री कॉलेज स्थापित करने का वादा किया और कहा कि यह विधायक और मुख्यमंत्री दोनों के स्तर पर संभव होगा। उन्होंने अधिकारियों के व्यवहार को लेकर सख्त चेतावनी दी। तेजस्वी ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो कोई भी अधिकारी राघोपुर की जनता से 'तेतीयां' (अहंकार से) बात नहीं करेगा, बल्कि कुर्सी छोड़कर खड़ा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोई अधिकारी रिश्वत नहीं लेगा और ऐसा करने पर कार्रवाई की जाएगी। तेजस्वी यादव ने एनडीए प्रत्याशी सतीश कुमार को अपनी पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव देते हुए कहा कि सत्ता में आने पर उन्हें उचित पद दिया जाएगा। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भी कुछ न कुछ पद देने का वादा किया। तेजस्वी ने कहा कि वह सभी दलित समाज के लोगों को साथ लेकर चलेंगे और सभी को जोड़कर काम करेंगे।

### मुजफ्फरपुर में देवेंद्र फडणवीस, चिराग पासवान की जनसभा, एनडीए कैंडिडेट केदार गुप्ता के लिए मांगेंगे वोट

**मुजफ्फरपुर**। मुजफ्फरपुर। बिहार विधानसभा चुनाव अभियान अब रफ्तार पकड़ चुका है। इसी कड़ी में मंगलवार को मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एक संयुक्त चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जनसभा कुढ़नी हाई स्कूल मैदान में दोपहर 12:30 बजे आयोजित की जाएगी।सभा में भाजपा के कुढ़नी से प्रत्याशी और मौजूदा विधायक केदार गुप्ता के समर्थन में एनडीए के तमाम नेता मंच साझा करेंगे। माना जा रहा है कि इस जनसभा के माध्यम से एनडीए कुढ़नी में अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करेगा।कुढ़नी विधानसभा सीट पर इस बार मुकाबला दिलचस्प बन गया है। यहां भाजपा के केदार गुप्ता और राजद के बबलू कुशवाहा के बीच सीधा मुकाबला है। कुढ़नी विधानसभा सीट मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है और बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से एक है। साल 1952 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कपिल देव ने जीत दर्ज की थी। साल 2020 में आरजेडी के अनिल साहनी ने इस सीट पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा के केदार गुप्ता दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद हुए उपचुनाव में केदार गुप्ता ने आरजेडी को पराजित करते हुए सीट भाजपा के खाते में ला दी थी। अब एक बार फिर कुढ़नी में एनडीए और महागठबंधन के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई मानी जा रही है।

### भाजपा ने अशोक सिंह को पार्टी से निकाला, पारू से चार बार के विधायक रह चुके हैं

**मुजफ्फरपुर**। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच भारतीय जनता पार्टी ने बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पारू विधानसभा क्षेत्र के निवर्तमान विधायक अशोक कुमार सिंह को पार्टी से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। यह निर्णय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के आदेश पर लिया गया, जिसकी आधिकारिक सूचना प्रदेश मुख्यालय से शनिवारको जारी की गई। बीजेपी बिहार प्रदेश कार्यालय, वीरचंद पटेल पथ, पटना से जारी पत्रांक 713/25 में लिखा गया है —"विधान सभा चुनाव-2025 में आप एनडीए के अधिकृत प्रत्याशी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह कार्य दल विरोधी है, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है तथा पार्टी अनुशासन के विरुद्ध आपने यह कार्य किया है। अतः आपको प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित किया जाता है।" इस पत्र पर अरविंद शर्मा, प्रदेश मुख्यालय प्रभारी, भारतीय जनता पार्टी बिहार के हस्ताक्षर हैं। पत्र की प्रतिलिपि पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और संगठन विभागों को भेजी गई है। पारू विधानसभा सीट से चार बार लगातार विधायक रहे अशोक कुमार सिंह का टिकट इस बार पार्टी ने काट दिया था। एनडीए के सीट बंटवारे में पारू सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के खाते में चली गई, जिससे बीजेपी के कई पुराने नेता असंतुष्ट हो गए। टिकट कटने से नाराज होकर अशोक कुमार सिंह ने पार्टी के निर्णय के विरुद्ध निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। उनके इस कदम को पार्टी ने "अनुशासनहीनता और दल विरोधी गतिविधि" के रूप में देखा। नामांकन दाखिल करने के बाद अशोक सिंह ने खुले मंच से पार्टी नेतृत्व पर भी तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि मुझसे झुकने को कहा गया, मगर मैं नहीं झुका। पार्टी ने कार्यकर्ताओं के समर्पण की अनदेखी की है। अब मैं जनता की अदालत में हूं। उनके इन बयानों को पार्टी आलाकमान ने अनुशासनहीन और संगठन विरोधी माना। नाम वापस नहीं लेने पर पार्टी ने निष्कासन की कार्रवाई को अंतिम रूप दे दिया। पारू विधानसभा सीट मुजफ्फरपुर जिले की एक अहम सीट मानी जाती है। यहां अशोक कुमार सिंह लगातार चार बार जीत दर्ज कर चुके हैं। इस बार एनडीए की ओर से रालोमो प्रत्याशी मैदान में हैं, जबकि महागठबंधन और निर्दलीय उम्मीदवारों के उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

# मोकामा केस में 80 गिरफ्तार अनंत सिंह से पूछताछ जारी

## डीजीपी बोले- दंगा फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई, कोई बख्शा नहीं जाएगा

एजेंसी, पटना

मोकामा में दुलारचंद यादव हत्याकांड मामले में डीजीपी विनय कुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि अनंत सिंह की गिरफ्तारी दंगा/उन्माद की स्थिति में सामूहिक जिम्मेदारी के तहत की गई है। इस मामले में उनसे पूछताछ जारी है और बाद में न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर रिमांड पर लेकर भी पूछताछ की जाएगी। अब तक 80 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि इस घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी हो। उन्होंने जन सुराज के उम्मीदवार की गिरफ्तारी की भी बात कही। वैज्ञानिक अनुसंधान और वीडियो फुटेज के आधार पर घटना में शामिल और षड्यंत्र रचने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पत्थरबाजी करने वाले और घटना के समय मौजूद लोगों की पहचान कर उनकी भी गिरफ्तारी होगी।

**प्रथम दृष्टया जांच में हत्या की बात सामने आई है:** डीजीपी विनय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में हत्या की बात सामने आई है। हालांकि, यह दुर्घटना थी या जानबूझकर की गई, यह अभी जांच का विषय है। पुलिस ने 10 तारीख को हुई घटना को गंभीरता से लिया है। डीजीपी के अनुसार, दो उम्मीदवारों के समर्थक विपरीत दिशा से आ रहे थे, जिसके बाद बहस हुई और फिर पत्थरबाजी शुरू हो गई। दुलारचंद यादव की मृत्यु इसी घटना के दौरान हुई। पुलिस ने पीएमसीएच में पोस्टमार्टम कराने का विचार किया था, लेकिन परिजनों की मांग पर बाढ़ अस्पताल में ही पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के दौरान पीड़ित पक्ष ने भी वीडियोग्राफी की।

**वीडियो फोटो में पत्थरबाजी करते दिख रहे थे:** शुरुआत में पैर के निचले हिस्से में गोली लगने का अंदेशा था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि मृत्यु गोली लगने से नहीं हुई है। डीजीपी ने यह भी बताया कि मृतक दुलारचंद यादव भी वीडियो फुटेज में पत्थरबाजी करते हुए अपने कई समर्थकों के साथ दिख रहे हैं। यह संभव है कि उनके ऊपर वाहन चढ़ा है वह एक्सीडेंटल है या किसी उद्देश्य किया गया है यह जांच के बाद पता चलेगी, दोनों ही कांड में कार्रवाई होगी, अभी तक 80 से अधिक गिरफ्तारियां भी हुई है। इस मामले में जिला पुलिस और सीआईडी संयुक्त रूप से काम कर रही है।डीजीपी ने बताया की हमारी प्राथमिकता है 6 तारीख को चुनाव को संपन्न करना है, डीजीपी ने इस दौरान अपील करते हुए बिहार के आम जनों को कहा कि हमारा अनुरोध होगा कि किसी भी तरह का जाती उन्माद की स्थिति क्रिएट न करें।फिलहाल इस घटना के बाद इलेक्शन कमीशन के द्वारा पल-पल की सूचना ली जा रही है।

# 'मोन्था तूफान' का असर खत्म, अब बारिश की संभावना नहीं

एजेंसी, पटना

- न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की आएगी गिरावट, सुबह-शाम महसूस होगी हल्की ठंड

बिहार में चक्रवात 'मोन्था तूफान' का असर लगभग खत्म हो गया है। पिछले 3 दिनों से हो रही बारिश और ठंडी हवा के बाद आज यानी रविवार से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम सामान्य हो जाएगा। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार में आज बारिश होने की संभावना नहीं है। हालांकि, कटिहार और किशनगंज जिले ऐसे हैं, जहां अभी भी हल्के बादल छाए रहेंगे। इसके साथ ही इन दोनों जिलों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इसके अलावा राज्य के बाकी सभी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा।

राजधानी पटना में आज सुबह हल्के बादल छाए रहे, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही आसमान होता गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, रविवार को पटना में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवा चलने की संभावना है, जिससे सुबह और शाम के समय ठंडक महसूस होगी।

मौसम विभाग ने बताया कि, 2 नवंबर से लेकर 5 नवंबर तक बिहार में मौसम शुष्क रहेगा। दिन में हल्की धूप और रात में हल्की ठंड महसूस की जाएगी। उत्तरी बिहार के कुछ हिस्सों में सुबह के समय हल्का कोहरा या धुंध छाने की संभावना है। फिलहाल, बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार, "मोन्था" चक्रवात का प्रभाव अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। बंगाल की खाड़ी में इस समय कोई नया सिस्टम सक्रिय नहीं है, इसलिए अगले कुछ दिनों तक राज्य में मौसम साफ और स्थिर रहेगा। उत्तर बिहार के जिलों में तापमान में गिरावट के साथ ठंडी हवा चलेगी, जिससे ठंड के मौसम की शुरुआती दस्तक महसूस होगी।

## बाल शनि धाम मंदिर से मूर्तियां चोरी असामाजिक तत्वों ने की तोड़फोड़

एजेंसी, पटना

- श्रद्धालु पूजा के लिए पहुंचे तो नहीं मिले भगवान

बाढ़ अनुमंडल के नगर परिषद क्षेत्र स्थित बाल शनि धाम मंदिर में शनिवार रात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की और पीतल की मूर्तियां चुरा लीं। यह घटना एसडीओ आवास से सटे वार्ड नंबर-1 में हुई। शनिवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ थी। रात करीब 10 बजे पूजा के बाद पुजारी विश्राम के लिए चले गए। इसी दौरान रात में कुछ उपद्रवियों ने कई पीतल की मूर्तियां उखाड़ लीं और उनके साथ तोड़फोड़ भी की। रविवार सुबह जब श्रद्धालु पूजा के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्हें मूर्तियों की चोरी का पता चला। इसकी सूचना तत्काल मंदिर के पुजारी को दी गई। पुजारी ने आशंका जताई कि यह करतूत कुछ उपद्रवी लोगों की हो सकती है।

**नशेड़ियों का जमावड़ा रहता:** पुजारी के अनुसार, शनि धाम मंदिर के पास सीढ़ी घाट पर कई नशेड़ी लोगों का जमावड़ा रहता है। उन्होंने बताया कि प्रशासन को इस संबंध में कई बार जानकारी दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।अब पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मूर्तियों की तोड़फोड़ और चोरी में कौन से असामाजिक तत्व शामिल थे।

# हथियार के साथ 5 अपराधी गिरफ्तार पिता-बेटे लंबे समय से करते थे तस्करी

एजेंसी, पटना

- जब्त देसी राइफल से की थी फायरिंग, पहले से कई मामले दर्ज

पटना पुलिस ने 'ऑपरेशन जखीरा' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-बेटे सहित 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी पालीगंज थाना क्षेत्र से हुई, जहां से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से 2 देसी राइफल, 2 देसी कट्टा, 7 खोखे और 1 कारतूस बरामद किया है। कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार की रात की गई। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान रामतवाक्य उर्फ प्रमोद यादव, रंजन कुमार, अरविंद साव, पंकज कुमार और अवधेश कुमार के रूप में हुई है। ये सभी पालीगंज थाना क्षेत्र के निवासी हैं।

**लंबे समय से पिता-बेटे कर रहे थे हथियार तस्करी:** पुलिस के पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये दोनों लंबे समय से हथियारों की तस्करी में लिप्त थे और बिहार के आसपास के जिलों व राज्यों से हथियार तथा कारतूस खरीदते-बेचते थे। पुलिस के अनुसार, प्रमोद यादव ने इसी साल दिवाली के समय जब्त देसी राइफल से हवाई फायरिंग भी की थी। जिसकी सूचना पुलिस को भी मिली जिसके बाद पुलिस एक्शन में आई और कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला कि पालीगंज थाने में प्रमोद यादव के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनकी जांच जारी है।तो दूसरी ओर सिकंदरपुर गांव से अवधेश कुमार और उनके बेटे पंकज कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। इनके पास से दो देसी कट्टा बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि ये दोनों भी अवैध हथियारों के कारोबार में शामिल थे। हथियार रखने के शौकीन थे। इस मामले में भी आगे की जांच जारी है। पालीगंज थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया की सभी जब्त हथियार बिहार के बने हुए हैं और काफी साल पुराना है। काफी सालों से यह सभी लोग हथियार की तस्करी किया करते थे और अवैध हथियार रखकर समाज में डर का माहौल बनाया करते थे। फिलहाल गिरफ्तार सभी अपराधियों से अभी भी पूछताछ की जा रही है।इसके और भी नेटवर्क को खंगालने का काम किया जा रहा है ।

**अवैध हथियार का धंधा:** मामले पर पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर लगातार पटना पुलिस ऑपरेशन जखीरा के तहत कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत सूचना मिली कि पालीगंज थाना क्षेत्र के परियों और सिकंदरपुर गांव में अवैध हथियार है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में अपराधी हैं। जिसके बाद पुलिस की टीम छापेमारी की और मौके से सिकंदरपुर गांव और परियों गांव से पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि सभी गिरफ्तार अपराधी अवैध हथियार का धंधा भी किया करते थे।

# तेजप्रताप का भाई तेजस्वी पर तंज, कहा- सरकार बनेगी तभी नौकरी दे पाएंगे

एजेंसी, पटना

बेगूसराय में सभा के बाद राहुल गांधी तालाब पहुंचे और मछली पकड़ी। केंद्रीय मंत्री जीतन राम माझी ने इसे लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'कभी वो भारत की निंदा करते हैं कभी पीएम मोदी की मां को वो अपशब्द बोलते हैं और कभी छठ को ड्रामा कहते हैं तो ऐसे आदमी मछली ही पकड़ सकते हैं और कुछ नहीं।'

**तेजप्रताप बोले- पहले चुनाव तो जीते तेजस्वी:** तेजप्रताप यादव ने तेजस्वी के हर घर नौकरी देने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 'सरकार अभी बनी थोड़ी है, कहने तो लोग कुछ भी कह सकते हैं।' इससे पहले भी तेजप्रताप यादव ने एक बार फिर भाई तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला बोला था। पटना में उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'जननायक कर्पूरी जी हैं। लोहिया जी हैं। तेजस्वी जी जननायक नहीं हैं। वो हमारे पिता के बूते हैं। तब वो अपने बूते आएंगे तब हम उन्हें जननायक कहेंगे।' तेजप्रताप ने आगे कहा, 'हम लगातार महुआ का दौरा कर रहे हैं। जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहां इंजीनियरिंग कॉलेज बनाएंगे। महुआ में क्रिकेट स्टेडियम बनवाएंगे और इंडिया पाकिस्तान का मैच करवाएंगे।'

**राबड़ी बोलीं- मेरा मन चाहता है तेजप्रताप जीते:** पूर्व मुख्यमंत्री और RJD की नेता राबड़ी देवी ने तेजप्रताप के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वो लड़ रहा है। अपनी जगह तेजप्रताप ठीक है। वह सीएम फेस बेटे तेजस्वी के लिए राघोपुर में शनिवार को रोड शो कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मन से वह (तेजप्रताप) मेरा बेटा है। मेरे मन से थोड़े निकला है। मेरे दिल में है। पार्टी ने उसे निकाला है। प्रचार नहीं करेंगे, लेकिन वो जीते, ये मेरा मन चाहता है। वहीं, तेजस्वी के लिए राघोपुर में प्रचार कर रहीं रोहिणी आचार्य से तेजप्रताप के बारे में पूछा गया तो कहा कि वह भी मेरा भाई है। बड़ी बहन होने के नाते मैं उसे भी जीत का आशीर्वाद देती हूं। अपने भाई को बहन हमेशा खुश ही देखना चाहती हूं। पर सिर्फ अपनी पार्टी राजद के लिए ही प्रचार करूंगी।

# 'नीतीश कुमार सत्ता के लालच में लाचार हो गए हैं'

एजेंसी, पटना

- कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा- उनका कुर्सी मोह और सत्ता से प्रेम बिहार से ऊपर है

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सत्ता के लालच में लाचार हो गए हैं। कांग्रेस ने सीएम नीतीश पर तंज कसा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री सचिन पायलट ने कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं, लेकिन किस प्रकार से दिल्ली के दबाव में अपना शासन को चला रहे हैं, हम सब देख रहे हैं। उम्मीद नहीं थी इतने लाचार वो हो जाएंगे सत्ता के लालच में, सरकार के दबाव में, भाजपा के प्रभाव में, लेकिन यह सच है कि उनकी कुर्सी का मोह और सत्ता से प्रेम बिहार, बिहार के लोगों से कहीं ऊपर है। मुझे वह दिन भी याद है जब नीतीश कुमार ने इन्हीं प्रधानमंत्री को पूरे बिहार के लोगों के नाखून कटवाकर दिल्ली में कुरियर किया था। अब सत्ता प्राप्ति में बिहार के लोगों के लिए खड़ा होना भूल गए हैं।

बिहार का चुनाव अपने अंतिम चरण में है। 6 तारीख को पहला मतदान होगा। बिहार का जो राजनीतिक महत्व है उसको पूरा देश, सब पॉलिटिकल पार्टी जानती है। 20 साल से इस प्रदेश में जो हालात निर्मित हुए वह सबके सामने हैं। इसलिए कई महीने पहले राहुल गांधी ने एक यात्रा निकाली थी और सचेत किया था निर्वाचन आयोग को, केंद्र सरकार को कि बिहार के मतदाताओं के साथ हम धोखा नहीं कर सकते। उन्हें कार्रवाई में पारदर्शिता रखनी चाहिए। इस यात्रा के बाद बिहार में बदलाव का माहौल आया है। मुझे कहने में कोई संकोच नहीं है कि बिहार के लोग खासकर नौजवान बदलाव चाहते हैं। वे सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं व्यवस्था परिवर्तन चाहते हैं। कहा कि 11 साल से सत्ता में भाजपा केंद्र में है और लगातार 20 साल से यही शासन चल रहा है। मगर हमारा महागठबंधन दुनिया भर के दुष्प्रचार के बावजूद भी जनता के कटघरे में खड़ा साबित हो रहा है और जो बदलाव की सुगबुगाहट पहले दिखती थी आज वह सुनामी में तब्दील हो चुकी है। प्रचंड बहुमत के साथ हमारा महागठबंधन यहां पर सरकार बनाएगी और जो वादें हम लोगों ने किए हैं, हमारे गठबंधन ने किए हैं, उन सबको पूरा करेंगे। सबसे प्रमुख सबसे बड़ी जो प्राथमिकता हमारी रहेगी वह नौजवानों को लेकर रहेगी।

सचिन पायलट ने पीएम के रोड शो को लेकर भी तंज कसते हुए कहा कि जिन सड़कों पर आज प्रधानमंत्री रोड शो करने जा रहे हैं। इन सड़कों पर पढ़े-लिखे नौजवानों पर लाठियां भांजी गई है। यह यहां एक ट्रेंड बन गया है। हम लोग 14 नवंबर को जनता की सेवा के लिए तैयार रहेंगे। हम सब जानते हैं कि बिहार और आंध्र प्रदेश के बैसाखियों को लेकर भाजपा सत्ता में काबिज है। इसलिए आपस में तालमेल करके किसी भी हालत में सत्ता चाहती है।

# मतदान के चार दिन शेष, प्रत्याशियों ने झोंकी ताकत, 6 को वोटिंग

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 6 नवंबर को पहले चरण का मतदान होना है, जिसके लिए अब केवल चार दिन शेष हैं। सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। सुबह से देर रात तक प्रत्याशी अपने विधानसभा क्षेत्रों में घूम-घूम कर लोगों से संपर्क साध रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर भी मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बीच, प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। पटना जिले की फुलवारी विधानसभा क्षेत्र 188 में मुकाबला त्रिकोणीय होता दिख रहा है। यहां मुख्य रूप से तीन प्रमुख प्रत्याशी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। एनडीए के प्रत्याशी और पूर्व मंत्री श्याम रजक पुनपुन प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं, महागठबंधन के वर्तमान विधायक गोपाल रविदास मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं। इनके बीच जन सुराज के प्रत्याशी शशिकांत प्रसाद दलित बस्तियों में घूमकर सेंधमारी करने में जुटे हैं।

- फुलवारीशरीफ में त्रिकोणीय मुकाबला
- वोटर बोले- विकास के लिए मतदान देंगे

**जिसने विकास किया उसी के नाम वोट:** शशिकांत प्रसाद के लगातार प्रयासों से फुलवारी विधानसभा क्षेत्र का चुनाव दिलचस्प हो गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि उन्होंने सभी पार्टियों को देख लिया है और अब एक बार जन सुराज पर भरोसा किया जाना चाहिए। फुलवारी प्रखंड से लगभग 20 किलोमीटर दूर टरवा गांव में किसानों से बात करने पर उनके विचार सामने आए। गांव के किसान सतीश चंद्र सिंह ने कहा कि वे उन्हीं के नाम पर मतदान करेंगे, जिन्होंने विकास किया है। वहीं, किसान विनय कुमार सिंह का भी मानना है कि मतदान विकास के नाम पर होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव में जातीय मुद्दा नहीं होना चाहिए, बल्कि यह देखना चाहिए कि कौन विकास के कार्य कर रहा है। मतदाताओं को भी झूठे वादे करने वाले प्रत्याशियों के झांसी में ना आकर चुपचाप विकास करने वाले को मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके गांव में मतदाता विकास के मुद्दे पर ही मतदान करेंगे।

## संक्षिप्त समाचार

### हरसिद्धि में 130 लाइसेंसी हथियार जमा, 4 के लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू

**बीएनएम @ हरसिद्धि।** विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर की जा रही कार्रवाई के तहत अब तक हरसिद्धि थाना क्षेत्र के 130 लाइसेंसधारियों ने अपने हथियार थाना में जमा करा दिए हैं। वहीं 24 लोग अब तक अनुपस्थित हैं। इनमें से 4 लोगों के लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं चुनाव आयोग के निर्देश पर थाना क्षेत्र में लाइसेंसी हथियारों के जमा कराने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। सभी लाइसेंसधारियों को पहले ही नोटिस जारी कर थाना में हथियार जमा करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने बताया कि कई लाइसेंसधारियों से फोन पर भी संपर्क किया गया, लेकिन 24 लोग अब तक हथियार जमा नहीं कर पाए हैं। ऐसे में चार लोगों के विरुद्ध लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई शुरू हो चुकी है। थानाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि जिन लोगों ने अब तक अपने हथियार जमा नहीं किए हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि मतदान से पहले सभी लाइसेंसी हथियारों को सुरक्षित रूप से थाना में जमा करा लिया जाएगा ताकि चुनाव के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

### जल बोझी के दौरान नदी में डूबने से व्यक्ति की हुई मौत

**बीएनएम @ मोतिहारी।** जिला के मेहसी थाना क्षेत्र के सराय बनवारी गांव स्थित बूढ़ी गंडक नदी के घाट पर जल बोझी के क्रम में पैर फिसल जाने से लगभग 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 12:30 बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान चकिया थाना क्षेत्र के मनीछपरा गांव निवासी इन्दर साह के पुत्र महेंद्र साह के रूप में हुई है। बताया गया कि वे मनी छपरा हनुमान मंदिर में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए जल लेने आए थे, तभी हादसा हो गया। सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी मेहसी, आरओ मेहसी तथा थाना पुलिस मेहसी मौके पर पहुंच गए। शव की तलाश के लिए एनडीआरएफ टीम को सूचित कर दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक नदी से शव नहीं निकाला जा सका था।

### युवक चलती ट्रेन से गिरकर घायल

**बीएनएम @ जमुई/झाझा** - ट्रेन में यात्रा करने के दौरान एक युवक चलती ट्रेन से गिरकर घायल हो गया। घटना झाझा रजला मुख्यरेलखण्ड के बीच हुई। घायल युवक की पहचान समस्तीपुर के रहने वाले मंटु कुमार के रूप में हुई। लोगो की मदद से उसे घायल अवस्था मे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा में भर्ती करवाया गया जहां उसका इलाज हुआ। घायल ने बताया वो जसीडीह से वह कोलकाता दरभंगा एक्सप्रेस से घर जा रहा था तभी ट्रेन गेट के पास पैर फिसल गया और ट्रेन से नीचे गिरकर घायल हो गया।

### दुकानदार को चाकू मार कर किया घायल

**बीएनएम @ जमुई/झाझाः** शनिवार की रात्रि 10 बजे दुकान बंद करके घर लौट रहे दुकानदार के साथ एक युवक ने चाकू मारकर घायल कर देने के बाद उससे छिनतई की घटना को अंजाम दिया। घायल दुकानदार का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हुआ। घायल दुकानदार की पहचान खलासी मुहल्ला के रहने वाले रंजीत रंजन केशरी के रूप में हुआ जो भाजपा महिला मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रिंकू केशरी के पति के रूप में हुई। रविवार को घटना को लेकर घायल दुकानदार में झाझा थाना पहुंचकर घटना की जानकारी थानाध्यक्ष को आवेदन के माध्यम से दिया। घायल दुकानदार ने बताया कि बस स्टैंड छोटी चांदवारी से प्रत्येक दिन की तरह रात्रि में दुकान बंदकर अपने घर जा रहा था तभी बोड़वा बस स्टैंड के पास एक नकाबपोश व्यक्ति जो पहले से घात लगाए था सामने आकर मेरे साइकिल को रोक दिया चाकू दिखाते हुए झोला छीनने की कोशिश किया जिसका विरोध किया तो उसने चाकू से मेरे ऊपर वार कर दिया जिससे बचने में मेरा हाथ कट गया और उसने झोला में रखे 20 हजार रुपए लेकर फरार हो गया।थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर तलाश जारी है।

### बक्सर में मनोज तिवारी के काफिले पर हमला

**बीएनएम @ बक्सर।** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच बक्सर जिले के डुमरांव में बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के काफिले पर हुए कथित हमले से सियासी तापमान और बढ़ गया है। घटना उस वक्त हुई जब मनोज तिवारी एनडीए प्रत्याशी राहुल सिंह के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने 'RJD जिंदाबाद' के नारे लगाए और हंगामा शुरू कर दिया।मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनके काफिले पर डंडे बरसाए, गाड़ियों पर राजद का झंडा लगाने की कोशिश की और वाहनों के शीशे तोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा, "स्थिति इतनी खतरनाक थी कि हमें लगा, कहीं मोकामा जैसी घटना यहां भी न हो जाए।"तिवारी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया और चुनाव आयोग से तत्काल कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि महागठबंधन चुनाव के दौरान हिंसा और डर का माहौल बनाना चाहता है। उन्होंने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर बक्सर पुलिस और प्रशासन से दोषियों की गिरफ्तारी की अपील की है।बक्सर एसपी ने पुष्टि की है कि सांसद की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और वीडियो फुटेज की जांच जारी है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।वहीं, राजद ने सभी आरोपों को नकारते हुए कहा है कि यह बीजेपी की "ड्रामा पॉलिटिक्स" है और मनोज तिवारी प्रचार में ध्यान खींचने के लिए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। घटना के बाद बक्सर में माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताया जा रहा है।

# प्रेक्षक ने किया पिपरा विधानसभा के कमिशिंग सेंटर का निरीक्षण

**बीएनएम @ मोतिहारी**

17 पिपरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक पी शिवा कुमार नायडू के द्वारा पिपरा विधानसभा के कमिश्निंग सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में विविपैट में लोड किया जा रहे सिंबल की प्रक्रिया को देखा गया। मॉक पोल के उपरांत विविपैट बॉक्स में गिर रही पर्चियां को दबाए गए बटन से मिलान किया गया। वहीं प्रेक्षक के द्वारा कमिश्निंग में कार्य कर रहे कर्मियों एवं पदाधिकारियों से पूरी प्रक्रिया की गहन पूछताछ की गई। सिंबल लोडिंग के उपरांत प्राप्त पर्चियां को बैलेट पेपर से मिलान किया गया। इसके उपरांत स्ट्रांग रूम एवं कैंपस का निरीक्षण भी किया गया। सीसीटीवी कैमरों की जांच कराई गई। यहां से निकलने के बाद प्रेक्षक महोदय पिपरा विधानसभा के पांच मतदान केंद्र यथा 119-प्राथमिक विद्यालय सेमरा मदरसा, 124- उत्क्रमित मध्य विद्यालय भरपुरिया पूर्वी भाग, 125- उत्क्रमित मध्य विद्यालय भारतीय पश्चिमी भाग, 122- प्राथमिक विद्यालय नरहर पड़ी, 123- प्राथमिक विद्यालय नरहर पड़ी पश्चिम भाग का भ्रमण किया गया। इन सभी मतदान केन्द्रों के आसपास के तकरीबन 40-50 मतदाताओं से बातचीत की गई। उन्हें मतदान केंद्र तक जाने में एवं मतदान करने में किसी प्रकार की समस्या तो नहीं है, के विषय में बातचीत की गई। भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से मतदाताओं को इस वर्ष दी जा रही नई सुविधाओं जैसे बूथ पर फोन पाउच इत्यादि से अवगत कराया। बूथ स्तरीय पदाधिकारी द्वारा वितरण किये जा रहे मतदाता पर्ची के बारे में नागरिकों से बातचीत की गई। नागरिकों द्वारा बताया गया कि उन्हें मतदाता पर्ची प्राप्त हो गई है तथा उसमें बड़े अक्षरों में बूथ का विवरण अंकित है जिससे उन्हें बूथ ढूंढने में काफी सहूलियत होगी। प्रेक्षक द्वारा मतदाताओं को फ्री एंड फेयर पोल को लेकर अस्वस्थ किया गया। उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की एवं सभी को निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से मतदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि किसी के प्रलोभन में नहीं आएं और अपनी स्वेच्छा से अपना मत को डालें। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी चकिया सह पिपरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाची पदाधिकारी भी उपस्थित थीं।



## जीविका ने चलाया जागरूकता अभियान

**बीएनएम @ जमुई/बरहट**

प्रखण्ड अंतर्गत गुगुलडीह पंचायत में सत्यम और रोशनी महिला ग्राम संगठन की जीविका दीदियों ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान शत-प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से एक जोरदार जागरूकता अभियान चलाने की शपथ ली। यह महत्वपूर्ण पहल जिला परियोजना प्रबंधक एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित की गई।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उपस्थित दीदियों को मतदान के महत्व, निर्भीक और निष्पक्ष तरीके से मतदान करने तथा नैतिक मतदान के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान सभी जीविका दीदियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर अधिक से अधिक मतदाताओं को, विशेषकर महिलाओं को, मतदान के लिए प्रेरित करेंगी।प्रखंड परियोजना प्रबंधक मनोरंजन कुमार ने इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने बल दिया कि मतदाता जागरूकता अभियान में बरहट प्रखंड की जीविका परियोजना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि महिलाएं मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं तो समाज में निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन आएगा। यह अभियान न केवल मतदान प्रतिशत को बढ़ाने पर केंद्रित है, बल्कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की सशक्त भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक ठोस कदम है।

## स्टेट गेम्स 2025-26 के लिए पूर्वी चम्पारण लॉन बॉल्स टीम का किया गया चयन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

जिले के लॉन बॉल्स खिलाड़ियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण-सह-चयन कैंप का आयोजन बिहार बॉलिंग एसोसिएशन के तत्वाधान मे पूर्वी चम्पारण बॉलिंग एसोसिएशन के द्वारा पूर्वी चम्पारण के विद्यापति पब्लिक स्कूल पदुमकेर पताही में आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के संस्थापक विद्यापति झा, डायरेक्टर प्रभास रंजन, प्रिन्सिपल प्रीति लता झा द्वारा उद्धाटन किया गया इस मौके पर मौजूद स्कूल के शारीरिक शिक्षक अमन कुमार, ज्योति टोप्पो, खेसाल ढाकवी, सोनू खान इत्यादी लोग मौजूद रहे। साथ ही स्कूल के डायरेक्टर विद्यापति झा ने खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए आगे सभी तरह के आयोजन एंव खेल में सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। लॉन बॉल्स के राष्ट्रीय खिलाड़ी चितरंजन कुमार के द्वारा सभी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण-सह-चयन कैंप में पूरे जिले से लगभग 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें कुल 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया। इस प्रशिक्षण और चयन चैम्प से 8 महिला और 8 पुरुष खिलाड़ियों का चयन बिहार स्टेट गेम्स 2025-26 के लिए किया गया है। स्टेट गेम का आयोजन बिहार ओलंपिक एसोसिएशन और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के द्वारा अगले साल के जनवरी- फ़रवरी माह में कराया जाएगा जिसके लिए खिलाड़ी का चयन किया गया। खिलाड़ियों को बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जानकारी दी गई जैसे मेडल लाओ नौकरी पाओ, खिलाड़ी छात्रवृत्ति योजना , खिलाड़ी कल्याण कोष योजना इत्यादि। पूर्वी चंपारण बोलिंग एसोसिएशन के जिला सचिव जेयाउल्लाह शेख ने विद्यापति झा सर एंव स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

## बिहार चुनाव 2025: मछुआरों संग तालाब में उतरे राहुल गाँधी, जाल फेंका और लगाई डुबकी

**बीएनएम @ बेगूसराय**

चुनावी सरगर्मी के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी रविवार को एक अलग ही मूड में नजर आए। बेगूसराय में चुनावी सभा के बाद उन्होंने मंच से उतरकर सीधे जनता के बीच पहुंचने का फैसला किया। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ वे तालाब के किनारे पहुंचे, जहां उन्होंने मछुआरों से बातचीत की और फिर खुद तालाब में उतरकर मछली पकड़ने में हिस्सा लिया।नाव पर सवार होकर राहुल गांधी ने जाल फेंका, कुछ मछलियां पकड़ीं और फिर तालाब में डुबकी भी लगाई। यह दृश्य कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया। भीड़ में मौजूद लोगों ने राहुल के इस सहज और बेफिक्र अंदाज़ का स्वागत तालियों से किया।मछुआरों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा, "भारत में मछुआरे सिर्फ मेहनतकश नहीं, बल्कि हमारी जल-आधारित अर्थव्यवस्था के असली स्तंभ हैं। इन्हें केवल वोट के लिए नहीं, सम्मान और अवसर के लिए भी देखा जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस और महागठबंधन का वादा है कि मछुआरा समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।महागठबंधन के घोषणापत्र में मछुआरों के लिए कई नई योजनाओं का उल्लेख है। इसमें प्रमुख है 'लीन पीरियड' यानी मछली पकड़ने के प्रतिबंधित तीन महीनों के दौरान प्रत्येक परिवार को 5,000 की वित्तीय सहायता। इसके अलावा मत्स्य पालन बीमा, हर प्रखंड में मछली बाजार, प्रशिक्षण केंद्र और तालाब-नदियों के पुनर्जीवन के लिए नई 'जलाशय नीति' की बात की गई है, जिससे पारंपरिक मछुआरों को प्राथमिकता मिलेगी।राहुल गांधी का यह कदम केवल प्रचार से आगे बढ़कर प्रतीकात्मक संदेश देता दिखा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, वह इस बार 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बाद सीधा जनसंवाद और जमीन से जुड़ाव पर फोकस कर रहे हैं। मछुआरों के साथ तालाब में उतरना बिहार की सामाजिक-आर्थिक बनावट में मत्स्यजीवी समुदाय की अहम भूमिका को केंद्र में लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

# गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के भेलानारी गांव का ऐलान - "रोड नहीं तो वोट नहीं"

**बीएनएम @ अरेराज**

गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के भेलानारी गांव में स्थानीय ग्रामीणों ने आगामी चुनावों के बहिष्कार का बड़ा ऐलान करके राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। गांव के लोगों ने एकजुट होकर "रोड नहीं तो वोट नहीं" के नारे वाला एक बड़ा बैनर प्रदर्शित किया है, जिसके माध्यम से वे अपनी दशकों पुरानी सड़क समस्या की ओर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान खींच रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की सड़कें पूरी तरह से जर्जर और टूटी हुई हैं, जिसके कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर बरसात के दिनों में जलजमाव और कीचड़ के कारण गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से लगभग कट जाता है, जिससे बच्चों को स्कूल जाने, मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और दैनिक कामकाज में गंभीर बाधा आती है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार स्थानीय विधायक और संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण की गुहार लगाई, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। अब पानी सिर से ऊपर चला गया है, और इसी कारण भेलानारी गांव के संपूर्ण ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से यह फैसला लिया है कि जब तक उनके गांव में सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता, तब तक वे मतदान प्रक्रिया से दूर रहेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में गांव के कई प्रमुख लोग शामिल रहे, जिनमें सत्यदेव सिंह, राजेश सिंह, अवध साह, शंभू साह, राजू शाह, बलिस्टर सिंह, योगिंदर सिंह, योगी मिश्रा, राजू मिश्रा, रविन्द्र मिश्रा, विनय मिश्रा, मुन्ना सिंह, विशाल सिंह, नवीन सिंह, विवेक सिंह, संदीप कुमार, विकास कुमार, लक्ष्मण ठाकुर, देवलाल भगत, रामबाबू भगत, उदय सिंह, शंभू सिंह, हरि साह, और दिलीप साह जैसे नाम शामिल हैं। ग्रामीणों की यह अटल मांग गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन गई है और इसने सभी राजनीतिक दलों को इस समस्या का शीघ्र समाधान निकालने के लिए मजबूर कर दिया है।




## यूपी-बिहार सीमा क्षेत्र स्थित बांसी धाम ऐतिहासिक धरोहरों में शुमार - चेयरमैन

### बांसी धाम की समुचित विकास के लिए जिला पार्षद कृतसंकल्पित - निर्भर महतों

**बीएनएम @ बगहा**

बगहा अनुमंडल अंतर्गत गंडक पार स्थित उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा क्षेत्र स्थित बांसी धाम ऐतिहासिक धरोहरों में शूमार है। बांसी धाम की सौदर्यकरण के लिए पश्चिमी चम्पारण जिला परिषद सदस्यों के साथ चेयरमैन कृतसंकल्पित है। उक्त बातें पश्चिमी चम्पारण जिला परिषद के चेयरमैन निर्भय महतों ने कही। वे रविवार को उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा क्षेत्र स्थित बांसी धाम के सौन्दर्य करण की निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहर स्थल को सजाना जन प्रतिनिधियों का परम कर्तव्य है। जिला परिषद के चेयरमैन ने कहा कि पश्चिमी चम्पारण जिला को विकसित और प्रगतिशील बनाने के लिए हम समर्पित है। गौरतलब हो कि ऐतिहासिक धरोहरों में शूमार उत्तर प्रदेश और बिहार सीमा क्षेत्र स्थित बांसी धाम में 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर हजारों हजार की संख्या में श्रद्धालुओं के द्वारा स्नान किया जाता है, जिसकी सारी जबाबदेही जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की होती है। सभी लोगों के द्वारा बांसी धाम ऐतिहासिक धरोहरों को सजाने के लिए कृतसंकल्पित रहते हैं। चेयरमैन ने बताया कि बांसी धाम की समुचित विकास के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर थारु महासंघ के दर्जनों की संख्या में जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित रहें।



# विधानसभा चुनाव में मतदाओ बढी नराजगी, वोट वहिष्कार करने की घोषणा

**बीएनएम @ बगहा**

**मतदाद्ताओ को मनाने पहुचे केन्द्रीय मंत्री और महागठबंधन के प्रत्याशी**

बगहा नगर परिषद क्षेत्र के कैलाशनगर में विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में नाराजगी बढ़ गई है। वार्ड संख्या 4, 6, 7 और 8 के लगभग 15 हजार मतदाताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि जब तक उन्हें स्थायी निवास प्रमाण पत्र नहीं मिलेगा, वे मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे। इस घोषणा से स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ गई है।मतदान बहिष्कार को लेकर रविवार को कैलाशवा बाबा कुटी परिसर में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए और समस्या के समाधान पर विचार-विमर्श किया। सूचना मिलने पर केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे, भाजपा प्रत्याशी राम सिंह, कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगलम सिंह, आजाद समाज पार्टी के महफूज आलम और निर्दलीय प्रत्याशी दिनेश अग्रवाल सहित कई स्थानीय नेता मौके पर पहुंचे।नेताओं ने लोगों को आश्वासन देते हुए मतदान में भाग लेने की अपील की। केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि एक स्थानीय समिति बनाकर उनकी बात केंद्र तक पहुंचाई जाएगी और छह महीने के भीतर स्थायी निवास प्रमाण पत्र से जुड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा। हालांकि, विभिन्न दलों के नेताओं के पहुंचने के बाद एकजुट दिख रहे कैलाशनगर के लोग कई गुटों में बंट गए। कुछ ने विभिन्न प्रत्याशियों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए मतदान करने की बात कही, जबकि कुछ लोग अभी भी मतदान नहीं करने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार, कैलाशनगर की आबादी लगभग 40 हजार है, लेकिन आज तक उन्हें स्थायी निवास प्रमाण पत्र नहीं दिया गया है। करीब 60 वर्ष पहले पीपरासी में आई बाढ़ से बेघर होकर ये परिवार कैलाशनगर आए थे और तब से लगातार यहीं रह रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार अंचल कार्यालय, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस बार वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित और स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

# राज्य स्तरीय बालिका साइक्लिंग प्रतियोगिता 2025-26 में पूर्वी चम्पारण का रहा दबदबा

- » पूर्वी चम्पारण की खिलाड़ियों ने तीन गोल्ड व एक सिल्वर मेडल जीतकर बनी ओवरआल चैंपियन
- » गया जी टीम बनी उप विजेता, बिहार के विभिन्न जिले की बालिकाओं ने दिखाई अंडर-14, 17, 19 आयु वर्ग में खेल प्रतिभा
- » बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्कूली गेम्स की राज्य स्तरीय अंडर-14/ 17/ 19 बालिका वर्ग की आयोजित हुई प्रतियोगिता

**बीएनएम @ मोतिहारी**

खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना एवं जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्कूली गेम्स की राज्य स्तरीय अंडर-14/17/19 बालिका वर्ग की प्रतियोगिता में पूर्वी चम्पारण की टीम का दबदबा रहा। रविवार को पिपराकोठी-डुमरियाघाट फोरलेन पर आयोजित प्रतियोगिता के अंडर- 14 आयु वर्ग में 10 किलोमीटर के रेस में पूर्वी चम्पारण की सुप्रिया कुमारी अव्वल रहते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया. दूसरे स्थान पर गया जी की रजनी कुमारी व तृतीय स्थान पर रोहतास की राधा कुमारी रही। अंडर 17 में 16 किलोमीटर रेस में पूर्वी चम्पारण की शालिनी कुमारी ने गोल्ड, सृष्टि कुमारी ने सिल्वर और पश्चिम चम्पारण की ख़ुशी कुमारी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। अंडर 19 में 20 किलोमीटर रेस में पूर्वी चम्पारण की प्रियांशु कुमारी ने गोल्ड, पूर्णिया की खुशबु कुमारी ने सिल्वर व भागलपुर की प्रतिमा कुमारी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। इससे पूर्व प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार ने नारियल फोड़ने के उपरांत अंडर -14 की खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता में पूर्वी व पश्चिम चम्पारण के अलावा वैशाली, रोहतास, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, पटना, भागलपुर, नालंदा सहित कई जिले की खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। विजेता खिलाड़ियों को बिहार साइक्लिंग के चीफ कोच अभय कुमार लूईस सहित कई अतिथियों ने मेडल पहनाकर और सर्टिफिकेट प्रदानकर सम्मानित किया। तीन गोल्ड व एक सिल्वर मेडल जीतकर 18 अंको के आधार पर पूर्वी चम्पारण की टीम इस प्रतियोगिता की ओवरआल चैंपियन बनी, जबकि बेहतर टाइमिंग के आधार पर एक सिल्वर मेडल के साथ गया जी की टीम उप विजेता बनी. दोनों जिला की टीम को ओवरआल विजेता व उप विजेता का ट्रॉफी प्रदान कर अतिथि ने सम्मानित किया। मौके पर जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा, कबड्डी संघ के सचिव भानु प्रकाश, बॉक्सिंग संघ के सचिव पवन शरण, जिला साइक्लिंग संघ के कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार, मोहम्मद मोबसिर, मनोज कुमार, रमेश कुमार, रवि कुमार, सर्वोत्तम कुमार आदि उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### अब हेतै फैसला, अब हेतै इलाज' के नारे से शुरू हुई परिवर्तन यात्रा

**बीएनएम @ दरभंगा:** बिहार विधानसभा चुनाव के बीच रविवार को दरभंगा नगर विधानसभा क्षेत्र से "दरभंगा परिवर्तन यात्रा" की शुरुआत हुई। जन सुराज अभियान के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इस मौके पर कहा कि "अब हेतै फैसला, अब हेतै इलाज — एक तरफ जुमलेबाज, एक तरफ जन सुराज।" यात्रा की शुरुआत से पहले शहर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सड़कों और चौक-चौराहों पर जुटी भीड़ ने साफ संकेत दे दिया कि दरभंगा अब बदलाव के मूड में है। प्रशांत किशोर ने कहा कि जनता अब जात-पात, धर्म और चेहरे की राजनीति से आगे बढ़ चुकी है। "लोग अब विकास, ईमानदारी और जवाबदेही चाहते हैं। जो काम करेगा, वही सरकार चलाएगा," उन्होंने कहा।सभा में युवाओं, किसानों, व्यापारियों और महिलाओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी ने माहौल को जन आंदोलन जैसा बना दिया। किशोर ने कहा कि "दरभंगा बिहार की पहचान है, और यही से बदलाव की शुरुआत हो रही है। जब जनता तय कर लेती है, तो सत्ता की दीवारें खुद गिर जाती हैं।"उन्होंने आगे कहा कि जनता अब किसी के बहकावे में आने वाली नहीं है। हर गली और मोहल्ले में एक ही आवाज़ गूंज रही है — "इस बार जन सुराज की सरकार बननी ही है।" दरभंगा परिवर्तन यात्रा के इस जोशीले आगाज़ ने न केवल इलाके में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है, बल्कि यह भी साफ कर दिया है कि आने वाले चुनाव में जनता अपने 'इलाज' का फैसला खुद करने को तैयार है।

### यूंही नहीं जहां को लुभाती हैं बेटियां, खुशियों के फूल, दिल में खिलाती हैं बेटियां

**बीएनएम @ गया जी:** राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा द्वारा हर शनिवार रात्रि 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक आयोजित होने वाले साप्ताहिक कार्यक्रम "शब्दवीणा सृजन त्रिविधा" में गत शनिवार बतौर आमंत्रित रचनाकार शब्दवीणा की गया जिला उपाध्यक्ष कवयित्री अनामिका अनु, अतरी, गया जी के कवि नरेंद्र सिंह एवं शब्दवीणा जहानाबाद जिला सचिव चितरंजन चैनपुरा रहे। कार्यक्रम का संयोजन शब्दवीणा की संस्थापिका एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी ने किया। नव मनोनीत शब्दवीणा सृजन त्रिविधा प्रभारी एवं शब्दवीणा हरियाणा प्रदेश समिति की सक्रिय सदस्य कवयित्री कीर्ति यादव के कुशल संचालन में रचनाकारों ने सुमधुर स्वर में अपने स्वरचित गीत, गज़ल, दोहे, मुक्तक, घनाक्षरी एवं अन्य महत्वपूर्ण छंदों की प्रस्तुति दी। साथ ही, सभी ने अपने साहित्यिक जीवन से जुड़ी खट्टी-मीठी यादों को भी साझा किया। संचालन के दरम्यान कीर्ति यादव ने सुमधुर स्वर में "कितनी सुंदर अयोध्या की नगरी, देखने को ये जी चाहता है" गीत प्रस्तुत किया। नरेन्द्र सिंह की रचना 'राम ही आधार हैं' को खूब सराहना मिली। उन्होंने रामभक्ति में डूबकर "भजते रहो रघुवीर को सब, राम तो सर्वज्ञ हैं। वो जानते सारे जगत को, ईश ये मर्मज्ञ हैं" भजन गाया। वहीं अनामिका अनु की "यूंही नहीं जहां को लुभाती हैं बेटियाँ। खुशियों के फूल, दिल में खिलाती हैं बेटियां जैसी ग़ज़लों ने श्रोताओं एवं दर्शकों का हृदय जीत लिया। श्रीमती अनु ने चुनाव, वोट, नेताओं की कूटनीतियां, कार्तिक माह, तुलसी पूजन आदि विषयों पर भी रचनाएं पढ़ीं। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रश्मि ने बताया कि कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय पेज से किया गया, जिससे राम नाथ बेख़बर, डॉ रामसिंहासन सिंह, पी. के. मोहन, सरोज कुमार, कर्नल गोपाल अश्क, अरुण अपेक्षित, अनंग पाल सिंह भदौरिया, महेश चंद्र शर्मा राज, केविन सिंह, विनोद बरबिगहिया, रजनी रंजन, नित्यानंद मिश्रा, सरिता महेंद्र शर्मा सहित देश भर से जुड़े अनेक साहित्यानुरागियों ने काव्य पाठ का आनंद उठाया।

### चुनाव आयोग को थोड़ी तो आई शर्म : मीसा भारती

**बीएनएम @ पटना:** मोकामा में कांग्रेस नेता दुलारचंद यादव की हत्या और जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी के बाद बिहार की राजनीति में नया घमासान शुरू हो गया है। विपक्षी दल राजद ने इस कार्रवाई को जनता और चुनाव आयोग के दबाव में की गई "औपचारिक कार्रवाई" बताया है।राजद सांसद मीसा भारती ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि "मोकामा की पूरी घटना सबके सामने हुई। अनंत सिंह के 60 गाड़ियों के काफिले ने बाजार में ताकत का प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार तब खामोश थी। अब जब जनता और चुनाव आयोग का दबाव बढ़ा, तो सरकार को शर्मिंदगी से बचने के लिए गिरफ्तारी करनी पड़ी। अगर वाकई कानून का राज होता, तो कार्रवाई पहले होती, न कि जब जनता आक्रोशित हो गई।"राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने इसे "खानापूर्ति" करार देते हुए कहा कि "जब सरकार की फजीहत होने लगी, तब प्रशासन हरकत में आया। तेजस्वी यादव लगातार पूछ रहे थे कि मोकामा गोलीकांड में अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। देर से हुई गिरफ्तारी से यह साफ है कि सरकार ने सिर्फ दबाव में आकर कदम उठाया है।"राजद नेताओं ने दावा किया कि यह घटना न केवल कानून व्यवस्था की नाकामी है, बल्कि चुनाव के दौरान सरकार की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करती है। पार्टी का कहना है कि जनता अब समझ चुकी है कि "सुशासन" के दावे केवल चुनावी नारे हैं।

### डबल नहीं, सिंगल इंजन की सरकार चल रही है : प्रियंका गांधी

**बीएनएम @ बेगूसराय/पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। रविवार को कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेगूसराय के बछवारा में जबरदस्त जनसभा को संबोधित किया। मौसम की बाधा के बावजूद वह सड़क मार्ग से सभा स्थल तक पहुंचीं, जहां भारी भीड़ ने उनका स्वागत किया।जनसभा में प्रियंका ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, "बिहार में अब बदलाव की लहर चल रही है। जनता ऊब चुकी है इस सरकार से, हर तरफ निराशा और असंतोष है। लोग नयी सोच और नयी दिशा चाहते हैं।" उन्होंने कहा कि जब वह लोगों से मिल रही थीं, तो जनता अपने दुख-दर्द खुद बयां कर रही थी। "लोग कह रहे हैं कि सरकार से भरोसा उठ चुका है। बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार से सब परेशान हैं। अब जनता अपने अधिकार की लड़ाई खुद लड़ना चाहती है।"सभा समाप्त होने के बाद प्रियंका गांधी देर शाम पटना लौटीं। उनके इस दौरे को कांग्रेस संगठन के पुनर्गठन और चुनावी माहौल में नई ऊर्जा भरने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कृष्ण अल्लावरु ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "प्रियंका गांधी ने बिल्कुल सही कहा— बिहार में डबल इंजन नहीं, बल्कि सिंगल इंजन की सरकार चल रही है। सारे फैसले मोदी और शाह ही ले रहे हैं। परिणाम यह है कि अपराध, बेरोजगारी, पेपर लीक और महंगाई अपने चरम पर है।"उन्होंने हाल के मोकामा गोलीकांड का जिक्र करते हुए कहा कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। "यह साबित करता है कि सरकार प्रशासनिक नियंत्रण खो चुकी है। अगर वोट चोरी से यह सरकार दोबारा आई, तो बिहार की जनता का भविष्य अंधकारमय होगा।"कृष्ण अल्लावरु ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "अब आयोग पहले जैसा स्वतंत्र नहीं रहा। हर दिन नए सबूत सामने आ रहे हैं कि आयोग पर दबाव है। जब तक वोट चोरों को सत्ता से हटाया नहीं जाएगा, तब तक बिहार के युवाओं और बेरोजगारों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।"

# चन्द्रहा-रूपववलिया में आग लगने से चार घर स्वाहा, लाखों की संपत्ति नष्ट

## अग्नि पीड़ित परिवारों को शीघ्र ही सरकारी सहायता उपलब्ध की कराई जायेगी – सीओ

**बीएनएम @ बगहा**

बगहा एक प्रखंड के चन्द्राहा - रुपवलिया पंचायत के वार्ड नं - 14 में शनिवार की रात आचानक लगीं आग से चार घर स्वाहा हो गया। अचानक लगी आग से चार घर जल कर राख हो गया। आग लगी में लाखों रुपए मुल्य की संपत्ति जल कर नष्ट हो गयी। तथा दस बकरी और गाय की बछड़ा जल मरा। आग लगी की घटना की पुष्टि पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि नंदलाल प्रसाद और बथुवरिया थानाध्यक्ष अनुपम कुमार ने संयुक्त रूप से की है। उन्होंने बताया कि अचानक लगी आग से उक्त पंचायत के चार घर जलकर राख हो गया। आग लगी में लाखों रुपए मुल्य की संपत्ति जल कर नष्ट हो गयी। तथा एक दर्जन बकरियाँ एवं गाय के बछड़े जल मरे। थानाध्यक्ष ने बताया कि आग लगी में उक्त गाँव के अवधेश यादव, राजेश यादव, वृजेश यादव और अच्छे लाल यादव को घर जल कर नष्ट हो गया। घटना की सुचना मिलतें ही अग्नि शमन दास्ताँ टीम को मौके पर भेजा गया। अन्यथा कईयो घर जल

कर नष्ट हो गया होता। अग्नि पीड़ित परिवार के अवधेश यादव ने बताया कि बेटी की शादी को लेकर काफी सपना सजाया था, लेकिन अचानक लगी आग ने सपने को निष्ताना बुद्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि शादी के लिए सभी अरमानों को मैने सवारा था। परंतु मामुली आग लगी में सब कुछ धराशायी हो गया। अब देखना है कि पीड़ित परिवारों के बीच सरकार कितना सहयोग कर सकती है।

### क्या कहते है अधिकारी

आग लगी की घटना में तीन घर जल कर नष्ट हो गया। आग लगी के पीड़ित परिवारों के बीच शीघ्र ही सहायता राशि मुहैया कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि घटना की सुचना मिलतें ही मौके पर राजस्व कर्मचारी को भेजा गया है। रिपोर्ट आतें ही पीड़ित परिवारों के बीच सरकारी सहायता और सहयोग उपलब्ध कराई जायेगी।

## प्रतिनिधियों से की गई मुलाकात

बैठक में मौजूद विभिन्न पार्टियों के प्रतिनिधि

**बीएनएम @ गया जी**

जिला परिषद गया के सभागार में बिहार विधान आम सभा निर्वाचन, 2025 के क्रम में गया जिला के विधान सभा क्षेत्रों 229-बोधगया, 230-गया सदर, 232-बेलागंज, 233-अतरी एवं 234-वजीरगंज के लिये निर्धारित प्रथम व्यय लेखा जाँच की तिथि - 01.11.2025 को व्यय प्रेक्षक अमनप्रीत, द्वारा निर्वाचन में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों से मुलाकात की गई। इस दौरान उनके साथ निर्वाचन व्यय लेखा अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी श्री विनय कुमार, राज्य कर अपर आयुक्त, गया अंचल 1 एवं श्री ओम कुमार सिन्हा, राज्य कर संयुक्त आयुक्त, गया अंचल-2 उपस्थित रहे।उपस्थित अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण पर अनुदेशों के सारसंग्रह के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी को दैनिक निर्वाचन के लेखा का संधारण तथा प्रचार अवधि के दौरान कम से कम तीन बार निजी रूप से अपने निर्वाचन एजेंट के माध्यम से या अपने द्वारा विधिवत रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा व्यय प्रेक्षक / निरीक्षण के लिए पदाभिहित अधिकारी के सम्मुख रजिस्टर प्रस्तुत करने के संबंध में विस्तार से पुनः जानकारी दी गई। इस दौरान उनके द्वारा बताया गया कि द्वितीय व्यय लेखा जाँच की तिथि 05.11.2025 एवं तृतीय व्यय लेखा जाँच की तिथि 09.11.2025 को भी उपस्थित रहकर अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की जाएगी।

# अगर सरकार अपराधियों को बचाती तो कल रात नहीं होती कार्रवाई : चिराग

## तेजस्वी के दावे पर चिराग पासवान का पलटवार,इतना अहंकार ठीक नहीं

**बीएनएम @ पटना**

बिहार की राजनीति में इस वक्त सबसे बड़ी बहस महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के उस बयान को लेकर है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि 14 नवंबर को नतीजे आने के बाद 18 नवंबर को वे शपथ लेंगे। इस दावे पर अब केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।चिराग ने कहा, "तेजस्वी यादव का इतना अहंकार ठीक नहीं है। अगर हमारी सरकार अपराधियों को संरक्षण देती, तो कल रात जो कार्रवाई हुई, वह नहीं होती। हमारी सरकार की नीति साफ है— न किसी को फंसाते हैं, न किसी को बचाते हैं। सबूत मिलते ही सख्त कार्रवाई की जाती है।" उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी बिहार को विकास के रास्ते पर ले जा रही है, और जनता इसका जवाब वोट से देगी।केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने भी तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजद के नेताओं का इतिहास अपराधियों को संरक्षण देने का रहा है।

उन्होंने कहा, "1990 से 2005 तक बिहार में जंगलराज था। उस दौर में हत्यारों, बलात्कारियों और डकैतों को मंत्रियों के घरों में पनाह मिलती थी। राजद का स्वभाव ही परिवारवाद और अपराधियों को बचाना है।"उधर, तेजस्वी यादव ने रविवार को पलटवार करते हुए कहा कि बिहार में 'महाजंगलराज' भाजपा और जदयू की सरकार के दौरान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को बिहार की हकीकत दिखनी चाहिए। तेजस्वी ने दावा किया कि 14 नवंबर को नतीजे आने के बाद 18 तारीख को वे शपथ लेंगे और 26 जनवरी तक अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

# बहुत देर कर दी हुजूर आते आते.....सपा

- कानून अपना काम कर रहा है : बीजेपी
- अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर विभिन्न पार्टियों ने अपनी प्रतिक्रिया

**बीएनएम @पटना**

मोकामा के पूर्व बाहुबली विधायक और मौजूदा जेडीयू प्रत्याशी अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पटना पुलिस ने उन्हें दुलारचंद यादव हत्याकांड में शनिवार देर रात गिरफ्तार किया। आरोप है कि 30 अक्टूबर को प्रचार के दौरान अनंत सिंह के समर्थकों ने जन सुराज पार्टी के 75 वर्षीय कार्यकर्ता दुलारचंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर गाड़ी से कुचल दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी कुचलने से मौत की पुष्टि हुई है। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।गिरफ्तारी के बाद सबसे तीखी प्रतिक्रिया समाजवादी पार्टी के नेता आईपी सिंह की ओर से आई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा—"बहुत देर कर दी हुजूर आते आते... हत्या के बाद चार दिन तक प्रधानमंत्री और गृहमंत्री रैलियां करते रहे। उन्हें होश ही नहीं रहा कि उनके एमएलए ने हत्या कराई है। अब जब प्रधानमंत्री बिहार में रैली करने आ रहे हैं और सोशल मीडिया पर यह मुद्दा छाया हुआ है, तब जाकर गिरफ्तारी का कोरम पूरा किया गया है।"वहीं, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि राज्य में कानून का राज कायम है। "पुलिस को न्याय दिलाने के लिए कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। कानून अपना काम कर रहा है और अदालत भी इस पर बारीकी से नजर रखेगी। बिहार में न्याय व्यवस्था निष्पक्ष है और किसी पर पक्षपात नहीं होगा।"मोकामा से जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी ने भी गिरफ्तारी को "स्वागत योग्य कदम" बताया, लेकिन देर से की गई कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा—"जब एफआईआर दर्ज हुई थी, तभी गिरफ्तारी हो जानी चाहिए थी। वे लगातार 50 गाड़ियों के काफिले के साथ प्रचार कर रहे थे। फिर भी कार्रवाई नहीं हुई। खैर, देर आए दुरुस्त आए। अब सबसे जरूरी है कि पुलिस निष्पक्ष जांच करे, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।"मोकामा विधानसभा क्षेत्र में 6 नवंबर को मतदान होना है। ऐसे में अनंत सिंह की गिरफ्तारी ने इस सीट पर चुनावी माहौल पूरी तरह बदल दिया है। अब यह देखना बाकी है कि बाहुबली छवि वाले इस इलाके में जनता किसे अपना प्रतिनिधि चुनती है।

# 18 नवंबर को शपथ के बाद जेल में होंगे सभी अपराधी : तेजस्वी

- अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेजस्वी का बड़ा बयान

**बीएनएम @ पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले मोकामा के बाहुबली और जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह की गिरफ्तारी ने सूबे की राजनीति में हलचल मचा दी है। दुलारचंद यादव हत्याकांड में आरोपी बनाए गए अनंत सिंह को शनिवार देर रात पटना पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोप है कि उनके समर्थकों ने चुनाव प्रचार के दौरान गोलीबारी की और फिर गाड़ी चढ़ाकर 75 वर्षीय जन सुराज कार्यकर्ता दुलारचंद यादव की हत्या कर दी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी कुचलने से मौत की पुष्टि हुई है। इस मामले में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राघोपुर से आरजेडी उम्मीदवार और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा—"जिस तरह से घटना घटी, ये तो होना ही था। आज प्रधानमंत्री बिहार में हैं, लेकिन आरा और रोहतास में पिता-पुत्र की हत्या हो गई। बिहार में 'महाजंगलराज' की स्थिति है, क्या प्रधानमंत्री को ये नहीं दिखता?" उन्होंने आगे कहा कि 14 नवंबर को नतीजे आने के बाद 18 नवंबर को शपथ ग्रहण होगा और "26 नवंबर से 26 जनवरी के बीच सभी

अपराधी जेल में होंगे, सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।"तेजस्वी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा—"प्रधानमंत्री मोदी बिहार में वोट मांगने आते हैं, लेकिन फैक्ट्रियां बनाते हैं गुजरात में। 11 साल में एक भी नौकरी नहीं दी, अब एक करोड़ नौकरी देने की बात कर रहे हैं—ये सिर्फ जुमला है।"वहीं बीजेपी नेता और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में कानून-व्यवस्था दुरुस्त है। "घटना दुखद है, लेकिन सरकार ने बिना पक्षपात के कार्रवाई की है। जिस पर आरोप है, उसे गिरफ्तार किया गया।" उन्होंने तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए कहा—"अगर वे सभी विजयी प्रत्याशियों को भी उपमुख्यमंत्री बना दें, तब भी राजद-कांग्रेस गठबंधन 50 सीट पार नहीं कर पाएगा।"जेडीयू विधान पार्षद नीरज कुमार ने कहा कि सरकार निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है। "तेजस्वी यादव चुनाव आयोग पर भी सवाल उठा रहे थे। वे रीतलाल यादव जैसे अपराधियों को महिमा मंडित करते हैं। एडीआर रिपोर्ट में साफ है कि राजद ने सबसे ज्यादा दागी प्रत्याशी उतारे हैं। बिहार की जनता जानती है कि नीतीश कुमार हैं, तो महिलाएं महफूज हैं।"मोकामा में 6 नवंबर को मतदान होना है। ऐसे में अनंत सिंह की गिरफ्तारी से इस सीट की राजनीति का रुख बदल गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनकी गैरमौजूदगी में जेडीयू इस बाहुबली गढ़ को बचा पाती है या आरजेडी की वीणा देवी जनता का भरोसा जीत लेती हैं।

## पोस्टल बैलेट के जरिए 4299 कर्मियों ने किया मतदान

पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करने के लिए खड़े कर्मचारी

**बीएनएम @गया जी**

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के अवसर पर पोस्टल बैलेट के माध्यम से जिला अंतर्गत सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में कराए गए दिनांक 31.10.25 तक मतदान की विवरणी निम्नवत है। मतदान में संलग्न कर्मियों हेतु अधिष्ठापित किये गये फैसिलिटेशन सेंटर पर कुल 4299 कर्मियों द्वारा मतदान किया गया। दिनांक-31.10.2025 तक 85+ एवं पीडब्ल्यूडी कैटेगरी के कुल 239 मतदाताओं के घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कराया गया है। कुल-8071 सर्विस मतदाओं को ETBPMS के माध्यम से पोस्टल बैलेट भेजा गया है, जिसमें से दिनांक-31.10.2025 तक कुल 151 पोस्टल बैलेट डाक के माध्यम से प्राप्त हुए।

## माइक्रो ऑब्जर्वर का प्रशिक्षण संपन्न

**बीएनएम @ गया जी**

जिले के राजकीय प्लस टू कन्या विद्यालय रमना में इमामगंज, बेलागंज, बाराचट्टी, टेकरी, गया शहर और +2 जिला स्कूल गया में वजीरगंज और अतरी विधान सभा में प्रतिनियुक्त माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दिवस पर माइक्रो ऑब्जर्वर के 18 कॉलम में दिए जाने वाले प्रतिवेदन के साथ मतदान की अन्य सारी प्रक्रियाओं का विस्तार से जानकारी दी गई। ई वी एम के माध्यम से मॉक पॉल के संबंध में बारीक जानकारी दी गई। कई माइक्रो ऑब्जर्वर खुद हैंड्स ऑन ई वी एम की जानकारी ली। उन्हें मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान की पूरी प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। प्रशिक्षण के दौरान चुनाव आयोग द्वारा प्रतिनियुक्त प्रेक्षकों ने प्रशिक्षण केन्द्रों का दौरा किया। प्रेक्षक द्वारा भी माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रशिक्षण एवं आवश्यक निर्देश दिए गए । प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कोषांग से जुड़े पदाधिकारियों के अलावे जिले के अन्य पदाधिकारियों ने भी निरीक्षण किया।

# बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया जी जिला की सांगठनिक चुनाव संपन्न

- गया जी के जिलाध्यक्ष बने रंजन सिन्हा, महासचिव रौशन

**बीएनएम @ गया जी**

## यूनियन के प्रदेश स्तर के नेता जुटे, जिलेभर से पत्रकारों की मौजूदगी में कार्यक्रम

बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया जिला की आमसभा सह सांगठनिक चुनाव रविवार को रामसागर रोड स्थिति धर्मशाला में संपन्न हुआ. जहां जिलेभर से पत्रकार जुटे. आमसभा सह सांगठनिक चुनाव के लिए बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश स्तर के पदाधिकारी भी इसमें शामिल हुए. जिसमें सर्व सम्मति से बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन गया शाखा जिलाध्यक्ष के रूप में रंजन सिन्हा को चुना गया. वहीं, जिला महासचिव की जिम्मेदारी रौशन कुमार को दी गयी.नवनिर्वाचित दोनों पदाधिकारियों को गर्मजोशी से फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया. सभी ने उन्हें बधाई देते हुए यूनियन के कार्यों में स्वर्णिम अध्याय के रूप में देखने की कामना की. चुनाव पूर्व संगठन के उद्देश्य, कार्यों व भविष्य को लेकर वक्ताओं ने चर्चा की. कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार अक्षय कुमार सिंह

बिहार श्रमजीवी पत्रकार संघ के नये पदाधिकारी

व अध्यक्षता नीरज कुमार ने की. अपने संबोधन में यूनियन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि यूनियन को प्रभावी करने की जरूरत है. इसके लिए सरकार व मीडिया हाउस मैनेजमेंट से समन्वय स्थापित कर चलना होगा. उन्होंने चर्चा के दौरान पूर्व में पत्रकारों को परिचय पत्र दिलाने की वाक्या बताया. साथ ही पत्रकारों को प्रशिक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया. कहा हम अपने संगठन को मिल जुल कर मजबूती के साथ प्रभावी बनाये. ताकि देश में गया शाखा यूनियन का रोड मॉडल बने. ऐसा संभव बनायें कि भविष्य में प्रेस वार्ता प्रेस क्लब में हो.वहीं वरीय पत्रकार श्याम भंडारी ने कहा कि पत्रकार एक मिशन है,जुनून है. उन्होंने गया में यूनियन को स्थापित करने के लिए कमलेश कुमार सिंह के प्रति आभार जताया. उन्होंने विपरित परिस्थिति में यूनियन के द्वारा मिली मदद को याद किया. इसे एक परिवार की तरह समझने की अपील की. वहीं वरिष्ठ पत्रकार राजेश कुमार मिक्की ने कहा कि अपनत्व व ममत्व की भावना से ही संगठन की मजबूती मिलेगी. पत्रकारिता एक जुनून है. अंचल व जिला स्तर पर कार्य करने वाले पत्रकारों को पेंशन सहित सरकार की योजनाओं की लाभ समान रूप से मिलना चाहिये.वरिष्ठ पत्रकार देवव्रत मंडल ने कहा कि यूनियन के माध्यम से किसी पत्रकार साथी की समस्याओं को अंचल से लेकर जिला व प्रदेश स्तर तक एक चैनल के माध्यम से काम करने की जरूरत है. वहीं वरिष्ठ पत्रकार नीरज कुमार ने कहा कि यूनियन के माध्यम से हम सभी को एकजूट होकर कार्यक्रम बनाकर क्रियान्वित करने की जरूरत है. इस मौके पर जितेंद्र मिश्र, कुमुद रंजन, संजीव कुमार सिंह, अभिषेक राज, दीपक कुमार, हरिवंश कुमार, वीरेंद्र सिंह, उदय शंकर प्रसाद, अजीत कुमार, मुकुंद कुमार सिंह, प्रेम कुमार, राजकिशोर सिंह, पंकज कुमार, सुदिप्तो नाग, अजीत कुमार, सुबेदार कुमार यादव, सुदर्शन कुमार, अमित कुमार, बीके यादव, प्रदीप कुमार सिंह, मनोज कुमार, धीरज कुमार गुप्ता, रवि शंकर कुमार, पप्पू कुमार, अनुपम सिंह, संदीप कुमार सिंह, अजय सिंह, राजीव रंजन, धर्मेंद्र कुमार मिश्र, अविनाश कुमार, राकेश कुमार, प्रभात कुमार मिश्र, श्रवण कुमार, दीपक कुमार, सौरभ शरण, रवि भूषण सिंह, बृजेश सिंह, जितेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, प्रवीण ओझा, दिवाकर मिश्र, कुणाल कुमार, सहजानंद सरस्वती व अन्य थे |

## संपादकीय

# कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

**अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।**

**सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वार्तालाप शुरू होता है।**

**कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।**

**की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।**

**लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।**

**मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे। हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।**

# ताजमहलः कुत्सित इरादों से पुरानी बातों का दुहराव

**डॉ. राम पुनियानी**

ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में गिना जाता है। वह दुनिया में भारत की प्रमुख पहचानों में से एक है। ताजमहल संगमरमर पर उकेरी गई कविता है। गुरूदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे 'काल के गाल पर अश्रु की एक बूंद' की संज्ञा दी थी। यह मुहब्बत की निशानी है। इसकी खूबसूरती और आकर्षण विलक्षण है। ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया है। इसकी देखभाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) करता है। संगमरमर से बने इस अजूबे के प्रतिरूप भारत आने वाले राष्ट्राध्यक्षों को भेंट किए जाते थे।

मगर चूंकि इसे मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नि मुमताज महल की याद में बनवाया था इसलिए यह हिन्दू दक्षिणपंथियों की आंख का कांटा रहा है। ताजमहल के इतिहास के संबंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अपना अंतिम मत दे दिया है और 2017 में मोदी सरकार के संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने भी कहा था कि यह शिव मंदिर नहीं था। लेकिन दक्षिणपंथी नेताओं और विचारकों द्वारा जानबूझकर साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने के लिए बार-बार ताजमहल के मुद्दे पर विवाद खड़े किए जाते हैं। एएसआई ने भी कई बार साफ़ किया है कि यह एक मंदिर नहीं था और मकबरा ही है। ताजमहल को लेकर पहला बड़ा विवाद योगी आदित्यनाथ के उत्तरप्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के ठीक बाद खड़ा किया गया। उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने प्रदेश के पर्यटक स्थलों के बारे में एक पुस्तिका प्रकाशित की। उसमें ताजमहल का जिक्र नहीं था। यह तब जब कि रोजाना करीब 12,000 लोग इस चकित कर देने वाली इमारत को देखने आते थे। भारत के 23 प्रतिशत पर्यटक ताजमहल जाते हैं। लेकिन जब आदित्यनाथ से इस सबंध में सवाल किया गया तो उनका जवाब था कि ताजमहल भारतीय संस्कृति को प्रतिबिंबित नहीं करता! अब ताजमहल पर परेश रावल की एक फिल्म आ रही है। इसके ट्रेलर में दिखाया गया है कि जैसे ही ताजमहल का गुबंद उठाया जाता है वहां भगवान शिव नजर आते हैं। 'द ताज स्टोरी' का ट्रेलर देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म इस बेबुनियाद दावे का प्रचार करने की कोशिश है कि ताजमहल मूलतः तेजो महालय नामका मंदिर था जिसे शाहजहां ने मकबरा बना दिया।

इस फिल्म में यह दावा किया गया है कि ताज एक हिन्दू शिव मंदिर (तेजो महालय) था जिसे चौथी सदी में निर्मित किया गया था (बाद में इसे बदल कर 11वीं सदी बताया जाने लगा)। और इस मंदिर को मुगल शासक शाहजहां ने मकबरा बना दिया। ताजमहल चौथी सदी में निर्मित मंदिर था यह बात पी। एन। ओक नाम के एक वकील ने पहली बार कही थी। ऐतिहासिक साक्ष्यों के आधार पर इतिहासवेत्ता रूचिका शर्मा ने ओक के दावे को कोरी बकवास बताया। ''ओक फारसी नहीं जानते इसलिए संभवतः उनका ध्यान उन महत्वपूर्ण की ओर नहीं गया जो उनके इस दावे को गलत सिद्ध करते हैं कि ताजमहल पहले मंदिर था। गाईल्स टिलोट्सन जैसे इतिहासकार भी इस आधार पर ओक के दावे को चुनौती देते हैं कि ताज जैसे ढांचे वाली इमारत का निर्माण करने की तकनीक मुगल-पूर्व भारत में मौजूद ही नहीं थी। ताजमहल के निचले हिस्से में मौजूद 21 खाली कमरों के बारे में भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने स्पष्टीकरण दिया है। वास्तुकला की दृष्टि से यह ढ़ांचे को स्थायित्व प्रदान करने के लिए बनाये गए ये कमरे खाली थे, जिनका इस्तेमाल इमारत की देखभाल करने के लिए ज़रूरी सामान को रखने के लिए होता है। यह स्पष्टीकरण भी मोदी सरकार के दौरान ही दिया गया था।

जब चौथी सदी वाला दावा काम नहीं आया तो पी. एन. ओक ने उसमें बदलाव करते हुए कहा कि वह 12वीं सदी का मंदिर था। रुचिका शर्मा के अनुसार, ''ओक ने अपनी मनगढ़ंत बातें और प्रोपेगेंडा जारी रखा और जुलाई 2000 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की जिसमें यह दावा किया गया कि ताजमहल का निर्माण राजा परमार देव के प्रधानमंत्री सलकशन ने 12वीं शताब्दी में करवाया था। यह एक हिन्दू ढांचा तेजो महालय है और मुगलों द्वारा निर्मित नहीं है।

ओक अपने इस दावे के साथ सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे। सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी फंतासी को ख़ारिज कर दिया क्योंकि उनके पक्ष में कोई ऐतिहासिक साक्ष्य मौजूद नहीं थे। उनका मुख्य तर्क इमारत की वास्तुकला पर आधारित था - शिखर पर गुबंद, उल्टा कमल और सबसे नीचे 21 खाली कमरे।

इसी तरह बाद में अमरनाथ मिश्रा ने इलाहबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जिसमें यह दावा किया गया था कि ताजमहल का निर्माण चंदेल सम्राट परमाड़ी द्वारा किया गया था। इसे भी न्यायालय ने 2005 में खारिज कर दिया।

ताजमहल के निर्माण के संबंध में विशुद्ध ऐतिहासिक स्त्रोतों में विस्तृत विवरण उपलब्ध है। पीटर मुंडी और टेवेरनियर नामक दो यात्री जिक्र करते हैं कि अपनी भारत यात्रा के दौरान उन्हें यह पता चला कि शाहजहां शोक में डूबे हुए हैं और उन्होंने तय किया है कि वे अपनी पत्नि मुमताज महल की याद में एक विशाल स्मारक बनवाएंगे। शाहजहां ने वास्तुविदों की मदद से इस बड़ी इमारत का खाका बनाया। उनके मुख्य वास्तुविद एक मुस्लिम (उस्ताद अहमद लाहौरी) थे, जिनके प्रमुख सहयोगी एक हिन्दू थे। शाहजहां की जीवनी बादशाहनामा में इस काम की योजना बनाने का और उस पर अमल करने के लिए जिन लोगों को इकठ्ठा किया गया था उसका विस्तृत विवरण दिया गया है। ताजमहल बनाने के लिए जिस ज़मीन को चुना गया वह राजा जयसिंह की थी। इस भूमि को किस तरह हासिल किया गया, इसके दो अलग-अलग विवरण मिलते हैं। पहले विवरण के अनुसार जमीन वाजिब मुआवजा देकर हासिल की गई थी वहीं दूसरे विवरण के अनुसार राजा जयसिंह ने शाहजहां से अपनी मित्रता के मद्देनजर जमीन उन्हें भेंट कर दी थी। ताज की वास्तुकला उस काल की मिली-जुली परंपराओं और शैलियों का प्रतिबिंब है। दो गुबंदों वाले ढ़ांचे बनाने की शुरूआत मुगल वास्तुविदों ने की थी। लाल किला और हुमांयु का मकबरा इसके दो अन्य उदाहरण हैं। हिन्दू मंदिरों की छत त्रिकोणीय होती थी। बाद में मंदिरों के ऊपरी भाग को गुबंद के आकार में बनाया जाने लगा। वास्तुकला कोई स्थिर चीज़ नहीं है। उसमें बदलाव आते रहते हैं और वास्तुकलात्मक शैलियों का एक-दूसरे को प्रभावित करना सभ्यता के विकास की प्रक्रिया का अंग होता है। बीस हजार कारीगरों को ताजमहल के निर्माण में लगाया गया। ताजमहल सहित उत्तर भारत में कई शानदार इमारतें इसलिए बन सकीं क्योंकि मुगल शासन में एक अलग निर्माण विभाग हुआ करता था। फिर न जाने किस वजह से कहा जाने लगा कि सारे कारीगरों के हाथ काट दिए गए थे। इस दावे की पुष्टि किसी भी स्त्रोत से किसी तरह नहीं होती है। शाहजहां के काल के दस्तावेजों से हमें पता चलता है कि ताज के निर्माण में हुए खर्च का विस्तृत हिसाब रखा गया था। हिसाब-किताब के कागजातों में मकराना से संगमरमर की खरीद पर हुए खर्च और मजदूरों को चुकाई गई मजदूरी का विवरण है। उस समय प्रचलित कई हिन्दू डिजाइनों को भी ढांचे का भाग बनाया गया क्योंकि हिन्दू वास्तुविद और कारीगर निर्माण की प्रक्रिया में शामिल थे। मगर पी. एन. ओक की उर्वर कल्पनाशीलता की दाद दी जानी चाहिए। उनके लिए सारी दुनिया की सभ्यता का जड़ हिंदू संस्कृति में है। क्रिश्चियनिटी दरअसल कृष्ण नीति का बिगड़ा रूप है। वैटिकन शब्द वाटिका से बना है और रोम का नाम राम से नाम पर है! उनके इन खोखले दावों का कोई ऐतिहासिक साक्ष्य नहीं है, इसके बावजूद वे पुस्तकें और छोटी पुस्तिकाएं प्रकाशित करते रहे जिन्हें उनके नजरिए को सामूहिक समझ का हिस्सा बनाने के लिए आरएसएस शाखाओं में बांटा किया जाता था।

ताजमहल के सबंध में फिल्म में किए गए ज्यादातर दावों (जो ट्रेलर में दिखाए गए हैं) के बारे में स्पष्टीकरण दस साल पहले ही दिया जा चुका है। इसके बावजूद उन्हें फिर से उछालने का उद्धेश्य शुद्धतः राजनैतिक है और मुगल शासकों और उसके जरिए आज के मुसलमानों के प्रति घृणा फैलाने के हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडे को बल प्रदान करने के लिए किया जा रहा है।

यह फिल्म कश्मीर फाईल्स, बंगाल फाईल्स, केरेला स्टोरी और ऐसी ही अन्य फिल्मों की तरह एक प्रोपेगेंडा फिल्म है, जिसका लक्ष्य दक्षिणपंथी एजेंडे को ताकत देना है। यह समाज को बांटने और आज के भारत में पहले सी फैली नफरत को और बढ़ाने का एक औजार है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ सोसाइटी एंड सेकुलरिज्म के अध्यक्ष हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

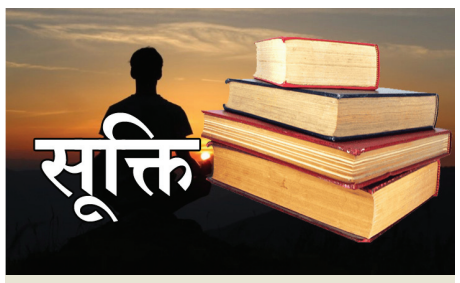


उत्तम पुरुषों की संपत्ति का मुख्य प्रयोजन यही है कि औरों की विपत्ति का नाश हो।

- रहीम

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।

- तुलसीदास

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय तिथि त्रियोदशी, सोमवासरे, उ.भाद्र पद नक्षत्रे, हल योगे, कौलव करणे, मीन की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, मूल प्रारंभ दिन के 12/51 जातकर्म नामाकरण जीर्ण गृह प्रवेश व्यापार वाहन क्रय विक्रय मु. तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

**आज जन्म लिए बालक का फल.....**

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, लोभी, धनी-मानी, वक्ता-अधिवक्ता, शासक, प्रबल प्रशासक, उद्यमी होगा।

मेष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष रूप से सतर्क रहें, शारीरिक कष्ट अवश्य होगा।

वृष राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से कार्य बाधा होगी, मानसिक थकावट व बेचैनी अवश्य बनेगी।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब व संतान से क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम, मन विक्षुब्ध रहेगा।

कर्क राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखें अन्यथा धन का व्यय होगा।

सिंह राशि :- स्त्री-वर्ग से कष्ट व चिन्ता, व्यवसाय में लाभ रहेगा, मानसिक वृत्ति उत्तम रहेगी।

कन्या राशि :- अधिकारियों के तनाव तथा क्लेश से बचिये, दैनिक कार्यगति में बाधा होगी।

तुला राशि :- आवश्यकता की पूर्ति के प्रयास करें, मानसिक विभ्रम बनेगा ध्यान अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थिगित रखें, आर्थिक लाभ अवश्य होगा।

धनु राशि :- व्यवसाय में बेचैनी, तनाव बना रहेगा, परिश्रम विफल होगा, लोगों से अपवाद होगा।

मकर राशि :- चोटादि का भय, कष्टकारक समय बनेगा, अशुद्ध गोचर रहने से हानि हो सकती है।

कुंभ राशि :- स्त्री-वर्ग, संतान के योग, क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम व भय बना रहेगा।

मीन राशि :- समय ठीक नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें तथा अनायास विभ्रम अवश्य होगा।

## पत्नियां सावधान रहें ?- हाईकोर्ट का फैसला - बुजुर्ग सास-ससुर के साथ दुर्व्यवहार,झगड़ा-विवाद या उपेक्षा करना मानसिक क्रूरता माना जाएगा,जो तलाक का आधार बन सकता है

**किशन सनमुखदास भावनानी**

वैश्विक स्तरपर भारत आदि अनादि क़ाल से संयुक्त परिवारों में बना-बसा रहा है, जबकि विदेशों में यह प्रथा बहुत कम देखने को मिलती है? इस प्रश्न का उत्तर सिर्फ सामाजिक- आर्थिक कारणों तक सीमित नहीं है,बल्कि इसमें ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा वैधानिक घटक सम्मिलित हैं।भारत में पारंपरिक रूप से कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था रही है, जहाँ जमीन-सम्पत्ति, श्रम, उपजी तथा आय परिवार-स्तर पर साझा होती थी। एक बड़े घर-परिवार (पिता-दादा-सास-ससुर-भाई-बहन- पति -पत्नी-बच्चे) से संसाधन-वितरण, काम-वितरण और सुरक्षा-नेटवर्क (जोड़-तोड़ व आर्थिक संकट में सहायता) अधिक सुगम होता था। इसके परिणामस्वरूप, 'संयुक्त परिवार' सामाजिक रूप से गढ़ा गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसके अतिरिक्त, हिन्दू परम्पराओं में पिता-दादा का पारिवारिक प्रधान होना वंश-परम्परा की निरंतरता, संपत्ति- विरासत का साझा स्वभाव, तथा वृद्धों- का परिवार में सम्मान व देखभाल का सामाजिक मान-दंड रहा है। इसके विपरीत अनेक पश्चिमी देशों में ऐसे में संयुक्त परिवार-प्रथा बहुत कम विकसित हुई। लेकिन यह प्रथा आज भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है, आधुनिक जीवनशैली, आर्थिक-स्वतंत्रता, शहरीकरण, अलग रहने की प्रवृत्ति तथा सामाजिक अपेक्षाएँ बदल रही हैं। इसलिए, आज 'संयुक्त परिवार' का आधार कमजोर होते हुए दिख रहा है, और इस परिवर्तन-प्रक्रिया का प्रभाव विवाह-परिवार-वृद्ध देखभाल संबंधी कानूनो नियामक आयामों पर भी पड़ रहा है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक फैसला दिया है कि, हिन्दू मैरिज एक्ट,1955 की धारा 13(1)(ia) में "ऐसा व्यवहार कि पति या पत्नी के मानसिक स्वास्थ्य स्वाभिमान या अस्तित्व पर ऐसा प्रभाव पड़ता हो कि विवाह चलना असंभव या अस्वीकार्य हो जाए" जैसे गुण- दोष हैं। इस प्रकार में, यदि पत्नी अपने सास-ससुर की देखभाल नहीं करती, उनके प्रति उपेक्षित व्यवहार करती है, उनकी स्वास्थ्य - स्थिति की जानकारी में उदासीनता, उत्तरदायित्व की अनदेखी ,विवाद उत्पन्न करती है, या अपमानजनक तथा निंदनीय भाषा-व्यवहार करती है,तो यह "मानसिक क्रूरता" के अंतर्गत आता है। यानें अब बुजुर्ग सास-ससुर के साथ दुर्व्यवहार, झगड़ा-विवाद या उपेक्षा करना मानसिक क्रूरता माना जाता है, जो तलाक का आधार बन सकता है। यह प्रत्यक्ष रूप से उन नीतियों-विधियों एवं क़ानूनों से जुड़ा है जो विवाह-संबंधों में "मानसिक क्रूरता" (मेन्टल क्रूएल्टी) को एक मान्य तलाक- कारण के रूप में स्वीकार करते हैं। साथियों बात अगर हम दिल्ली हाई कोर्ट के केस नंबर एमएटी एपीपी 8/2022 पर दिनांक 19 सितंबर 2025 को माननीय दो जजों की बेंच ने 28 पुष्टों में दिए जजमेंट की करें तो दिल्ली हाई कोर्ट ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश के खिलाफ पत्नी की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें क्रूरता के आधार पर पति नें तलाक दिया गया था। पति- पत्नी की शादी मार्च 1990 में हुई थी और 1997 में उनका एक बेटा हुआ। पति के आरोप हैं कि बीवी संयुक्त परिवार में रहने को तैयार नहीं थी। बिना अनुमति के अक्सर वैवाहिक घर छोड़ देती थी और 2008 से वैवाहिक संबंधों से दूर हो गई थी। यही नहीं,पति और उसके परिवार पर संपत्ति अपने नाम ट्रांसफर करने का दबाव डालती थी।जब पति ने 2009 में तलाक मांगा,तो पत्नी ने उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज करा दिए। पारिवारिक अदालत ने तलाक इस आधार पर दिया था कि पत्नी का लंबे समय तक साथ रहने से इनकार करना और बदले की भावना से झूठी शिकायतें (एफआईआर) दर्ज कराना मानसिक क्रूरता है। अपील में पत्नी का तर्क था कि निचली अदालत ने उन सबूतों पर भरोसा किया जो कागजात में नहीं थे और दहेज उत्पीड़न तथा दुर्व्यवहार के उसके आरोपों को नजरअंदाज किया।उसने दावा किया कि उसकी आपराधिक शिकायतें सच्ची थीं,बदले की भावना से नहीं की गई थीं। दिल्ली हाई कोर्ट को पत्नी के दावों में कोई दम नहीं लगा। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि लंबे समय तक वैवाहिक संबंध से इनकार और सास ससुर और पति को बार-बार परेशान करने वाले काम हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत मानसिक क्रूरता हैं।यदि पत्नी पति तथा सास-ससुर के बीच झगड़ा कराती है, उनके- उनके प्रति ध्यान नहीं देती, उपेक्षा करती है,अपमानजनक या निंदनीय आरोप लगाती है, मार-पीट करती है

# दुनिया में हथियारों की खतरनाक होड़ के सूत्रधार बनेंगे ट्रंप

**मनोज कुमार अग्रवाल**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की घोषणा पर दुनिया में जबरदस्त हलचल मच गई है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 33 साल बाद परमाणु परीक्षण का आदेश दिया है. चीन और रूस की टेस्टिंग के बीच यह फैसला वैश्विक तनाव बढ़ा सकता है और एनपीटी समझौते पर सवाल खड़े करता है।

ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया में सबसे ज्यादा परमाणु हथियार हैं, लेकिन इंटरनेशनल कैंपेन टू एबॉलिश न्यूक्लियर वेपंस के अनुसार, रूस के पास लगभग 5,500 परमाणु वारहेड हैं, जबकि अमेरिका के पास करीब 5,044 हैं।

हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हमले की तैयारी के अभ्यास का आदेश दिया था. रूसी सेना ने इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल यार्स और सिनेवा मिसाइल का परीक्षण किया, साथ ही टीयू-95 बमवर्षक विमान से लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी दागी. ट्रंप ने इन परीक्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि पुतिन को युद्ध खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि मिसाइल टेस्ट करने पर।

ट्रंप के परमाणु परीक्षण के आदेश से वैश्विक स्तर पर हड़कंप मच गया है. विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम वैश्विक निरस्त्रीकरण प्रयासों को कमजोर कर सकता है और न्यूक्लियर नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी का उल्लंघन भी माना जा सकता है, जिसे अमेरिका ने 1992 में साइन किया था.

आपको बता दें कि इस पर तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। ईरानी के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर ट्रम्प के बयान की तीखी आलोचना की। उनका कहना था कि अपने रक्षा विभाग का नाम बदलकर युद्ध विभाग रखने वाला परमाणु हथियारों से लैस दबंग देश खुद परमाणु हथियारों का परीक्षण करने जा रहा है। यही दबंग देश ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को बदनाम कर रहा है और हमारे सुरक्षित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की धमकी दे रहा है। इससे पहले ये जानना जरूरी है कि परमाणु परीक्षण क्या है और इसके क्या नुकसान हो सकते हैं। नाभिकीय अस्त्र परीक्षण या परमाण परीक्षण उन प्रयोगों को कहते हैं जो डिजाइन एवं निर्मित किए गए नाभिकीय अस्त्रों के प्रभाविकता, उत्पादकता एवं विस्फोटक क्षमता की जांच करने के लिए किए जाते हैं। परमाणु परीक्षणों से कई जानकारियां प्राप्त होतीं हैं, जैसे

ये नाभिकीय हथियार कैसा काम करते है, विभिन्न स्थितियों में ये किस प्रकार का परिणाम देते है, भवन एवं अन्य संरचनाएं इन हथियारों के प्रयोग के बाद कैसा बर्ताव करतीं हैं। इसके अलावा परमाणु परीक्षणों से वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सैनिक शक्ति का प्रदर्शन करने की कोशिश भी की जाती है। बीसवीं सदी में कई देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे। पहला परमाणु परीक्षण अमेरिका ने 16 जुलाई, 1945 में किया था जिसमें 20 किलोटन का परीक्षण किया गया था। अब तक का सबसे बड़ा परमाणु परीक्षण सोवियत रूस में 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था जिसमें 50 मेगाटन के हथियार का परीक्षण किया गया था। 25 मई, 2009 को उत्तरी कोरिया ने परमाणु परीक्षण किया था, जिसे विश्व के अधिकांश देशों ने निंदनीय बताया है। विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों ने अब तक कम से कम 2000 परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि अब इस पर अंतर्राष्ट्रीय कानून बने हुए हैं, जिनका पालन करना दुनिया के हर देश का कर्तव्य है, लेकिन अब ट्रम्प ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर दुनिया में हलचल मचा दी है। अगर अब परमाणु परीक्षण होता है, तो यह अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। इस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति ने परमाणु परीक्षण की बात कहकर इन कानूनों का उल्लंघन किया है। ईरान के विदेश मंत्री का साफ कहना था कि अमेरिका दुनिया में परमाणु प्रसार का सबसे बड़ा खतरा है। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन से इतर चीन के प्रधानमंत्री शी जिनपिंग से मुलाकात से ठीक पहले गुरुवार को अपने टूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि उन्होंने अमेरिका के रक्षा विभाग को परमाणु हथियारों के परीक्षण का आदेश दिया है। अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण, मैंने युद्ध विभाग को निर्देश दिया है कि वे हमारे परमाणु हथियारों का समान परीक्षण शुरू करें। रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रूस ने हाल में कोई परीक्षण नहीं किया है, लेकिन अगर अमेरिका ऐसा करता है, तो रूस भी परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू कर देगा। सोवियत संघ ने आखिरी बार 1990 में, अमेरिका ने 1992 में और चीन ने 1996 में परमाणु हथियार का परीक्षण किया था। चीन ने हालांकि ट्रम्प के बयान पर संतुलित रुख अपनाया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन का कहना था कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) और परमाणु परीक्षणों पर उसके प्रतिबंधका पालन करेगा। नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाले जापानी परमाणु बम पीड़ितों के समूह निहोन हिडांक्यो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणा कड़ी आलोचना की है और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया है।

उधर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका परीक्षण दोबारा शुरू करता है, तो यह हथियारों की नई दौड़ को जन्म दे सकता है. अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने कहा, "ट्रंप परमाणु हथियारों को खिलौना बना रहे हैं."

दुनिया भर के विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम रूस और चीन के बढ़ते परमाणु प्रभाव के जवाब में है, लेकिन इससे अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता को बड़ा झटका लग सकता है.यह स्थिति विश्व भर में हथियारों की खतरनाक होड़ को जन्म दे सकती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# जजो की नई पौध के माली बन गए है वीके माहेश्वरी!

**डॉ श्रीगोपाल नारसन**

गुरु जी प्रणाम, आपके द्वारा मुझ में जो सुधार हुआ है ,आज वो मुझे एहसास करा रहा है कि मेरा आपके पास जाकर ज्ञानार्जन करना अति उत्तम विचार था । आपके माध्यम से जो मुझ मे क़ानून के ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान मे वृद्धि हई है ,उससे मेरे जीवन की दशा व दिशा दोनों ही बदल गईं है।अब मेरे सोचने की क्षमता मेरे साथ के लोगो से कई प्रकार भिन्न है । मेरे जीवन और मेरे व्यवहार के सभी परिवर्तन आपके कारण है जिस कारण अब मैं बहुत खुश हूँ और भगवान व आपका का धन्यवाद करता हूँ। ऐसे न जाने कितने पत्र न्यायविद वीके माहेश्वरी के पास हर रोज़ आते है,ये वे प्रतियोगी अभ्यर्थी है,जिन्होंने माहेश्वरी जी के निर्देशन में ज्यूडिशयरी परीक्षाओं की तैयारी कर सफलता के मुकाम को हासिल किया है। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के कलसिया गांव में 15 मार्च 1949 को जन्मे वी.के. माहेश्वरी एक ऐसे न्यायाधीश रहे है ,जो प्राकृतिक न्याय के पक्षधर होने के साथ ही एक संवेदनशील इंसान भी है।सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने घर मे बैठकर आराम करने के बजाए उन बच्चों को मार्गदर्शन देने का कार्य शुरू किया हुआ है, जो जज बनने के अपने सपनो को साकार करना चाहते है।प्राथमिक व माध्यमिक पढाई अपने क्षेत्र से करने के बाद उन्होंने बी.एससी. सहारनपुर से की और फिर सन 1972 में एल.एल.बी. किया। तदुपरांत वे सहारनपुर में वकालत करने लगे।वकालत के 3 साल बाद ही सन 1975 में वे उत्तर प्रदेश से पीसीएस (जे) के लिए चयनित हुए और अपने बैच में प्रदेश भर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।एक न्यायाधीश के रूप में वीके माहेश्वरी ने मुरादाबाद, फरुखाबाद, मैनपुरी, रुड़की, बरेली, देहरादून, कानपुर और नैनीताल जिलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल जज से लेकर न्यायिक अधिकारी के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 3 मार्च सन 2003 को उन्हें जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्हें जिला चमोली में तैनात किया गया। 29 जून सन 2004 को वे उत्तराखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के रूप में नियुक्त हुए। 31 मार्च सन 2009 को सेवानिवृत्त होने के बाद भी वीके माहेश्वरी उत्तराखंड पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल के उपाध्यक्ष भी रहे है।विभिन्न सामाजिक विषयों पर जनचेतना के लिए कलम चलाने वाले वीके माहेश्वरी की गिनती ईमानदार जजो में रही है।76 वर्ष की उम्र में भी विधि व्यवसाय में आई नई पीढ़ी को वे अपना अनुभव बांट रहे है और न्यायिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराकर देशभर में नए जज बनाने में सहयोगी सिद्ध हो रहे है।उनके मार्गदर्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल रहे अनेक ऐसे न्यायिक अधिकारी बने है,जो वीके माहेश्वरी को अपने गुरु के रूप में सम्मान देते है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# पहले अनौपचारिक टेस्ट में इंडिया-ए ने साउथ अफ्रीका-ए को 3 विकेट से हराया

एजेंसी, बेंगलुरू

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रनों की दमदार पारी और ऑलराउंडर तनुष कोटियान व अंशुल कंबोज के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत इंडिया-ए ने बेंगलुरु में खेले गए पहले अनौपचारिक टेस्ट में रविवार को साउथ अफ्रीका-ए को 3 विकेट से मात दी। मैच में इंडिया-ए के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर साउथ अफ्रीकी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। साउथ अफ्रिका ने अपनी पहली पारी में 309 रन बनाए। इसके जवाब में इंडिया-ए की पहली पारी 234 रन पर सिमट गई। फिर अफ्रीका-ए टीम दूसरी पारी में 199 रन पर ही ढेर हो गई। इससे इंडिया-ए को जीत के लिए 275 रनों का लक्ष्य मिला। इंडिया-ए ने 7 विकेट खोकर 277 रन बनाते हुए शानदार जीत दर्ज की। रविवार को ऋषभ पंत के आउट होने के बाद एक समय इंडिया-ए पर हार का खतरा मंडराने लगा था, लेकिन अंशुल कंबोज और मानव सुथार ने 50 से ज्यादा रनों की नाबाद साझेदारी करके टीम को शानदार जीत दिला दी। अंशुल कंबोज ने 46 गेंदों में नाबाद 37 रनों की पारी खेली। मानव सुथार ने 56 गेंदों में नाबाद 20 रन बनाए। कप्तान पंत ने 113 गेंदों में 11 चौके और 4 छक्कों की मदद से 90 रन बनाए। इनके अलावा आयुष बढोनी ने 34 रन, रजत पाटिदार 28 और तनुष कोटियान ने 23 रन का योगदान दिया। साउथ अफ्रीका की ओर से टियान वैन वुरेन ने 3 विकेट, त्शेपो मोरेकी ने 2 विकेट और ओकुहले सेले, लुथो सिपामला ने एक-एक विकेट लिया।

साउथ अफ्रीका-ए की पहली पारी साउथ अफ्रीका-ए टीम ने अपनी पहली पारी में 309 रन बनाए थे। टीम के लिए जॉर्डन हरमन ने 71 रन, जुबैर हमज़ा ने 66 रन और रुबिन हरमन ने 54 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। टियान वैन वुरेन ने 46 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से तनुष कोटियान ने 4, गुरुनूर बरार और मानव सुतार ने दो-दो, खलील अहमद और अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट चटकाया। इंडिया-ए की पहली पारी 234 रन पर सिमटीइंडिया-ए ने पहली पारी में 234 रन बनाए थे। टीम के लिए पहली पारी में आयुष म्हात्रे ने 65 रन, साई सुदर्शन 32 रन, आयुष बडोनी 38 रन और रजत पाटिदार ने 19 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की ओर से प्रेनेलन सुब्रायेन ने सबसे ज्यादा पांच विकेट चटकाए। इस तरह पहली पारी के आधार पर साउथ अफ्रीका को 75 रन की बढ़त मिली। साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी में 199 रन पर हुई ढेरसाउथ अफ्रीका की दूसरी पारी को भारतीय गेंदबाजों ने सिर्फ 199 रन पर समेट दिया था। लेसेगो सेनोक्वाने 37 रन और जुबैर हमजा 37 रन के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज 30 के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाया। भारत की ओर से एक बार फिर तनुष कोटियान ने सबसे ज्यादा चार विकेट अपने नाम दर्ज किए। अंशुल कंबोज ने तीन और गुरनूर बरार ने दो विकेट लिए।

# केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी, ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 35 वर्षीय विलियमसन ने यह फैसला अगले टी20 विश्व कप से मात्र चार महीने पहले लिया है, जिससे उनके शानदार 93 मैचों के करियर का अंत हो गया। विलियमसन न्यूजीलैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 33 की औसत से 2575 रन बनाए, जिसमें 18 अर्धशतक और 95 रन का सर्वाधिक स्कोर शामिल है। उन्होंने 2011 में डेब्यू किया था और 75 मैचों में टीम की कप्तानी की, जिसमें न्यूजीलैंड को दो टी20 विश्व कप सेमीफाइनल (2016, 2022) और एक फाइनल (2021) में पहुंचाया। विलियमसन ने अपने बयान में कहा, "यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैं इस लंबे सफर के लिए आभारी हूं। अब यह सही समय है — मेरे लिए और टीम के लिए — ताकि अगले चरण की तैयारी स्पष्ट रूप से हो सके। टीम में बहुत प्रतिभा है और मुझे विश्वास है कि मिच सैंटनर शानदार नेतृत्व करेंगे।" विलियमसन पहले ही न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल कप्तानी मिचेल सैंटनर को सौंप चुके हैं। 2024 टी20 विश्व कप में टीम के शुरुआती बाहर होने के बाद उन्होंने सीमित ओवरों में अपनी भूमिका को सीमित कर लिया था ताकि वे परिवार और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट के बीच संतुलन बना सकें। हाल ही में वे चोटों और चयनात्मक शेड्यूल के कारण ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई वनडे सीरीज में उन्होंने वापसी की। उन्होंने संकेत दिया कि वह भविष्य में टेस्ट और वनडे क्रिकेट में अपनी भूमिका को लेकर खुले दिमाग से निर्णय लेंगे। विलियमसन अब नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से 26 नवंबर से ऑकलैंड के खिलाफ प्लंकेट शील्ड मैच में उतर सकते हैं। उनका अगला बड़ा लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज होगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ स्कॉट वीनिंक ने विलियमसन की तारीफ करते हुए कहा, "टी20 प्रारूप में केन का योगदान और नेतृत्व अद्भुत रहा है। उनकी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों ने टीम को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 85 रनों की पारी न्यूजीलैंड क्रिकेट इतिहास की खास पारियों में से एक थी।" वीनिंक ने आगे कहा कि बोर्ड पूरी तरह विलियमसन के फैसले का सम्मान करता है, "वह हमारे सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। जब भी वे बाकी प्रारूपों से संन्यास लेंगे, वे न्यूजीलैंड क्रिकेट के दिग्गजों में शुमार रहेंगे।" केन विलियमसन टी20 फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट खेलते रहेंगे और वे न्यूजीलैंड के सभी प्रारूपों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हुए हैं।

# रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे।

# हांगकांग सिक्सर्स 2025 की शुरुआत 7 नवंबर से, पहले दिन क्लासिक प्रतिद्वंद्विता मचाएंगी धूम

एजेंसी, नई दिल्ली

हांगकांग सिक्सेस 2025 की शुरुआत 7 नवंबर से हो रही है। प्रतियोगिता के सारे मैच हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट नौ नवंबर तक खेला जाएगा, जिसके सारे मैच हांगकांग के टिन क्वांग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में होंगे। तीन दिनों तक अनोखे छह-ओवर प्रारूप में रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में 12 टीमें शामिल हैं, जिन्हें चार पूल में बांटा गया है। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ी इस खेल के सबसे मनोरंजक आयोजनों में से एक के लिए एक साथ आएंगे। पहले दिन दस मैच खेले जाएंगे, जो क्रिकेट के एक जोशीले सप्ताहांत की शुरुआत करेंगे। इनमें से तीन मुकाबले पहले दिन धूम मचाने के लिए तैयार हैं, जो अपने इतिहास और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए जाने जाते हैं। भारत बनाम पाकिस्तान (सात नवंबर दोपहर 3:35 बजे हांगकांग समय, दोपहर 1:05 बजे भारतीय समय) भारत और पाकिस्तान मैच हमेशा उच्च तीव्रता वाला होता है। पूल सी में होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे प्रतीक्षित मुकाबलों में से एक है। दिनेश कार्तिक भारत की कप्तानी करेंगे। उनके साथ स्टुअर्ट बिन्नी होंगे। वहीं अब्बास अफरीदी पाकिस्तानी टीम की कप्तानी करेंगे। यह मुकाबला अपने उत्साही प्रशंसकों के लिए जाना जाता है। शुक्रवार दोपहर जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी तो प्रशंसक खचाखच भरे स्टेडियम की उम्मीद कर सकते हैं। श्रीलंका बनाम बांग्लादेश (सात नवंबर दोपहर 2:40 बजे हांगकांग समय, दोपहर 12:10 बजे भारतीय समय)गत विजेता श्रीलंका टीम पूल डी में अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में करेगी। लाहिरू मदुशंका की अगुवाई वाली श्रीलंका पिछले साल ट्रॉफी जीतने के बाद अपने खिताब की रक्षा के लिए मजबूत शुरुआत करना चाहेगी। बांग्लादेश 2024 में सेमीफाइनल में पहुंचा था और इस बार अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान अकबर अली के नेतृत्व में एक कदम और आगे बढ़ने का लक्ष्य रखेगा। दोनों टीमों के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले खिलाड़ी हैं, जो दोनों टीमों के बीच एक कड़े मुकाबले का आधार तैयार करते हैं। इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया (सात नवंबर शाम 4:30 बजे हांगकांग, दोपहर 2:00 बजे भारतीय समयानुसार)क्रिकेट की सबसे पुरानी प्रतिद्वंद्विता हांगकांग में देखने को मिलेगी जब पूल बी में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें 2008 के हांगकांग सिक्सेस फ़ाइनल में आमने-सामने हुई थीं, जहां इंग्लैंड विजयी रहा था। इस साल भी उनके बीच मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए बेताब होंगी।

# बाबर आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बने

» विराट और रोहित का रिकार्ड तोड़ा

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 में अपनी 68 रनों की अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब आजम टी20 में सबसे अधिक अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार आजम ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया है। बाबर के नाम अब 124 पारियों में 40 अर्धशतक हो गए हैं, जबकि विराट कोहली के 117 पारियों में 39 अर्धशतक हैं। वहीं रोहित शर्मा के 151 पारियों में 37 अर्धशतक हैं। आजम ने 131 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 124 पारियों में 39.83 की औसत से 4,302 रन बनाए हैं। उन्होंने 3,335 गेंदें खेली हैं और उनका स्ट्राइक रेट 128.99 रहा है, जिसमें तीन शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं, उनका सबसे अधिक स्कोर 122 है। वहीं विराट ने 125 टी20 मैचों में 48.69 की औसत और 137.04 के स्ट्राइक रेट से 4,188 रन बनाए हैं। उन्होंने एक शतक, 38 अर्धशतक और 122 का सबसे अधिक स्कोर बनाया है। वह इस प्रारुप में अब तक के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर रोहित ने 159 टी20I मैचों में 32.05 की औसत और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 4,231 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने करियर में पांच शतक और 37 अर्धशतक बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 है। रोहित इस प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

## व्यापार

# अगले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ, 5 कंपनियों की होगी लिस्टिंग

**नई दिल्ली।** सोमवार यानी 3 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच किए गए दो कंपनियों के आईपीओ में भी तीन और चार नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो पांच कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रहे हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 4 नवंबर को स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरंट कंपनी बिलियन ब्रेंस गेराज वेंचर्स का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी दिन श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 68 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 6 नवंबर को फिनबड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का 71.68 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 10 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 140 रुपये से लेकर 142 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 50.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 11 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 13 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 7 नवंबर को पाइन लैब्स का का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड और आईपीओ के साइज के संबंध में अभी जानकारी नहीं दी गई है। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,080 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 8,23,48,779 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन क्यूरिस लाइफ साइंसेज लिमिटेड का 27.52 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 11 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 128 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 21.50 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 12 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 14 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ की लॉन्चिंग के अलावा निवेशक पिछले सप्ताह 30 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए स्टड्स एसेसरीज के 455.49 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 3 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 557 रुपये से लेकर 585 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 25 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले 77,86,120 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 4 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 7 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 31 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुए लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के 7,278.02.49 करोड़ रुपये के आईपीओ में मंगलवार 4 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 382 रुपये से लेकर 402 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 37 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,150 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 12,75,62,573 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 6 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 10 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

# आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

**मुंबई।** घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में घरेलू अर्थव्यवस्था के आंइकड़े और वैश्विक कारक बाजार को दिशा देंगे। इस आने वाले सप्ताह में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई कड़े जारी होने हैं। इसके अलावा, अक्टूबर के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और वाहनों की बिक्री से शनिवार को आये आंकड़ों का असर भी सोमवार को बाजार खुलने पर दिखेगा। इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों की चाल कई बड़े कारकों पर निर्भर करेगी, जिनमें दूसरी तिमाही के कॉर्पोरेट रिजल्ट्स, मैक्रोइकॉनॉमिक डेटा रिलीज और ग्लोबल ट्रेंड्स सबसे अहम रहेंगे। हालांकि सप्ताह छोटा रहेगा क्योंकि बुधवार को गुरु नानक गुरुपुरब के अवसर पर बाजार बंद रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का ट्रेडिंग सेशन भले छोटा है, लेकिन यह इवेंटफुल रहेगा।

कई बड़ी कंपनियों के रिजल्ट्स इस हफ्ते आने वाले हैं, जो बाजार की दिशा तय करेंगे। इसके साथ ही एचएसबीसी मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, सर्विसेज पीएमआई और कंपोजिट पीएमआई जैसे डेटा घरेलू ग्रोथ की रफ्तार पर संकेत देंगे।इस हफ्ते जिन बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं, उनमें शामिल हैं, भारती एयरटेल, टाइटल, अदनी इंटरप्राइजेस, अदाणी पोर्ट, इंटरग्लोब एक्शन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ल्युपिन, बजाज आटो और हिंडाल्को इन सभी कंपनियों के नतीजे बाजार की सेंटीमेंट को शॉर्ट टर्म में प्रभावित कर सकते हैं। घरेलू आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की नजर इस हफ्ते जारी होने वाले एचएसबीसी पीएमआई डेटा पर रहेगी। मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस और कंपोजिट पीएमआई रीडिंग्स यह दिखाएंगी कि भारत की आर्थिक गतिविधियों में कितनी मजबूती या सुस्ती है। इसके अलावा, रुपया-डॉलर की चाल और क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे। इस हफ्ते मैक्रो डेटा का कैलेंडर व्यस्त रहेगा। भारत और दुनिया के बड़े देशों के पीएमआई से वैश्विक ग्रोथ की झलक मिलेगी। इसके अलावा, रुपया और डॉलर की चाल निवेशक सेंटीमेंट को प्रभावित करेगी। बाजार की निगाह इस हफ्ते ग्लोबल डेवलपमेंट्स पर भी रहेगी. अमेरिका और भारत के बीच चल रही ट्रेड टॉक्स, चीन और यूरोप के इंडस्ट्रियल आउटपुट डेटा, और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड्स जैसे फैक्टर्स पर विशेषज्ञ करीब से नजर रखेंगे।

# अदाणी सोलर ने 15,000 मेगावाट सौर मॉड्यूल वितरित कर इतिहास रचा

**नई दिल्ली।** अदाणी सोलर ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 15,000 मेगावाट सौर मॉड्यूल भेजकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसमें से 10,000 मेगावाट भारत में तैनात किए गए और 5,000 मेगावाट विदेशों में निर्यात हुए। यह लगभग 2.8 करोड़ मॉड्यूल के बराबर है, जो 7,500 फुटबॉल मैदानों को कवर कर सकते हैं। कंपनी के लगभग 70 प्रतिशत मॉड्यूल भारत में बने सौर सेल का उपयोग करके उत्पादित किए गए हैं। इससे 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत पहल को मजबूत समर्थन मिलता है। अदाणी सोलर अगले वित्त वर्ष तक अपनी उत्पादन क्षमता को 4,000 मेगावाट से बढ़ाकर 10,000 मेगावाट करने का लक्ष्य रखती है। इसके अलावा आने वाले वर्षों में अतिरिक्त 15,000 मेगावाट उत्पादन करने की योजना है। एक शोध फर्म ने अदाणी सोलर को दुनिया के शीर्ष 10 सौर मॉड्यूल उत्पादकों में शामिल किया है और यह एकमात्र भारतीय कंपनी है। कंपनी 550 से अधिक जिलों में अपने

35 चैनल पार्टनर के माध्यम से देश का सबसे बड़ा सौर मॉड्यूल वितरण नेटवर्क संचालित करती है। अदाणी सोलर की खेप 50 लाख घरों को सौर ऊर्जा प्रदान कर सकती है, 2,500 हरित नौकरियाँ सृजित करेगी, और सालाना 6 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम कर सकती है। यह 65,000 किलोमीटर तक फैले मॉड्यूल पृथ्वी का 1.5 बार चक्कर लगाने के बराबर हैं। 2014 में भारत की सौर क्षमता 2.3 गीगावाट थी, जो 2025 तक लगभग 100 गीगावाट होने का अनुमान है। देश में अब 100 से अधिक घरेलू निर्माता सक्रिय हैं, जिससे भारत वैश्विक सौर आपूर्ति श्रृंखला में चीन का विकल्प बन सकता है।

# देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत गिरी, चांदी की बढ़ी चमक

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। हालांकि, चांदी के भाव में आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है। आज के कारोबार में सोना 260 रुपये से लेकर 290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,23,000 रुपये से लेकर 1,23,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,12,750 रुपये से लेकर 1,12,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,52,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 2,620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज के उछाल के बावजूद साप्ताहिक आधार पर 3,000 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी आ गई है। दिल्ली में आज 24 कैरेट

सोना 1,23,150 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,23,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,23,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,12,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,23,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,23,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

# शाहरुख खान के 60वें जन्मदिन पर ममता बनर्जी ने दी शुभकामनाएं

कोलकाता, 2 नवंबर (हि.स.)। बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध अभिनेता शाहरुख खान 60वें जन्मदिन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। ममता बनर्जी ने शनिवार और रविवार की दरमियानी रात 12:00 बजे एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शाहरुख खान को टैग करते हुए लिखा, "मेरे भाई शाहरुख खान को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं! भारतीय सिनेमा को अपनी प्रतिभा और करिश्मे से इसी तरह समृद्ध करते रहिए।" उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी किंग खान को अपना भाई मानती हैं।दोनो के करीबी रिश्ते की मिसाल इससे पहले भी देखने को मिली है। जुलाई में अभिनेता को फिल्म 'किंग' की शूटिंग के दौरान मांसपेशियों में चोट लगने की खबर पर उन्होंने चिंता जताते हुए उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की थी। चोट के बाद शाहरुख खान को उपचार के लिए अमेरिका ले जाया गया था, जहां वे करीब एक महीने के लिए शूटिंग से दूर रहे। शाहरुख खान का कोलकाता से जुड़ाव किसी से छुपा नहीं है। वे इंडियन प्रीमियर लीग की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक हैं, जिसका होम ग्राउंड वही शहर है जिसकी बागडोर ममता बनर्जी संभालती हैं। इस वर्ष बॉलीवुड के तीनों दिग्गज 'खानों' में से शाहरुख दूसरे हैं जो 60 वर्ष के हुए हैं। आमिर खान ने मार्च में अपना 60वां जन्मदिन मनाया था, जबकि सलमान खान दिसंबर में इस उम्र में कदम रखेंगे। शाहरुख खान पिछली बार फिल्म 'डंकी' में नजर आए थे और जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'किंग' में दिखाई देंगे, जिसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

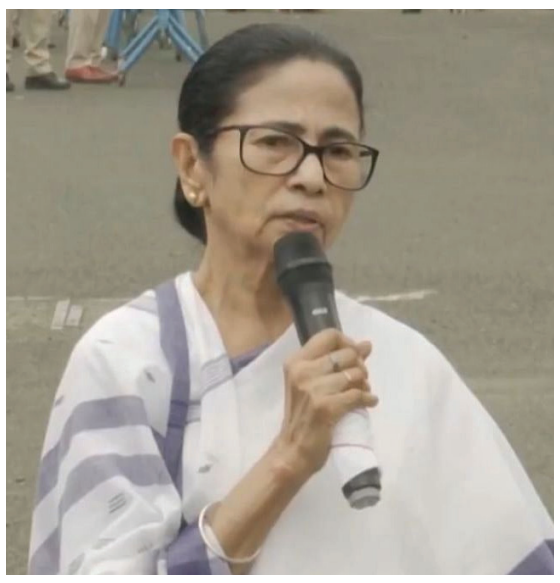

# 'पेड्डी' के मेकर्स ने जान्हवी कपूर का दमदार लुक किया रिलीज

जान्हवी कपूर इन दिनों अपने करियर के एक रोमांचक मोड़ पर हैं। वरुण धवन के साथ उनकी पिछली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भले ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी, लेकिन अभिनेत्री ने साबित कर दिया कि वह जोखिम लेने से नहीं डरतीं। अब वह अपनी अगली फिल्म 'पेड्डी' के जरिए एक बिल्कुल नए अवतार में नज़र आने वाली हैं, जो दर्शकों को उनका अब तक का सबसे देसी और जज़्बाती रूप दिखाने वाली है।

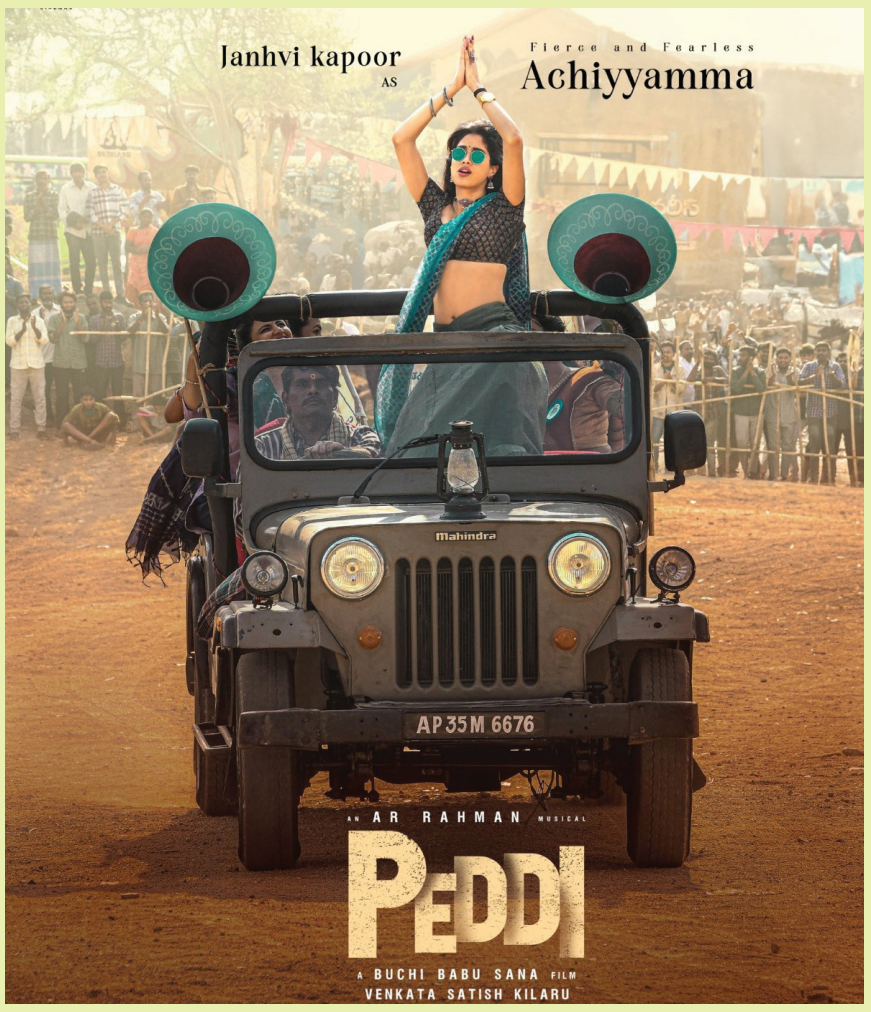


### 'पेड्डी' में जाह्नवी का देसी और दमदार लुक

फिल्म के निर्माताओं ने जाह्नवी कपूर का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। दो नए पोस्टरों में अभिनेत्री को बेहद देसी अंदाज़ में देखा जा सकता है, मिट्टी से सनी साड़ी, माथे पर बड़ा सा बिंदी, और आंखों में आत्मविश्वास की चमक। एक पोस्टर में वह जीप पर खड़ी होकर हाथ जोड़ती नज़र आती हैं, मानो अपने गांव की शेरनी हों, जबकि दूसरे में वह हाथ सिर पर टिकाए, धूप में किसी सोच में डूबी दिखती हैं। फिल्म में जाह्नवी का किरदार अचियम्मा नाम की एक गांव की लड़की का है, जो निडर, तेज-तर्रार और अपने विचारों पर अडिग है। यह किरदार न सिर्फ उनके अभिनय कौशल की नई परतें खोलेगा, बल्कि उन्हें एक सशक्त ग्रामीण नायिका के रूप में पेश करेगा, जो अपने हक और सपनों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

### राम चरण संग पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी जाह्नवी

'पेड्डी' में जाह्नवी के अपोजिट साउथ सुपरस्टार राम चरण हैं, जो फिल्म में एक बहादुर और भावनात्मक रूप से जटिल किरदार निभा रहे हैं। दोनों सितारों की जोड़ी को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, क्योंकि यह पहली बार होगा जब राम चरण और जाह्नवी कपूर बड़े पर्दे पर साथ दिखेंगे। प्रशंसकों को उम्मीद है कि इनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर बिजली की तरह चमकेगी। निर्माताओं ने घोषणा की है कि 'पेड्डी' 27 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में एक साथ रिलीज़ किया जाएगा।

# तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला था कृति खरबंदा

बालीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा के कॅरियर की शुरुआत मॉडलिंग और विज्ञापन फिल्मों से हुई, जहां उनकी मासूम मुस्कान ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद साल 2009 में उन्हें तेलुगु फिल्म 'बोनी' से पहला बड़ा ब्रेक मिला। दक्षिण भारतीय फिल्मों में कुछ सालों तक अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद उन्होंने 2016 में फिल्म 'राज रिबूट' से बॉलीवुड में कदम रखा। कृति के करियर का असली मोड़ 2017 में आया, जब वह राजकुमार राव के साथ फिल्म 'शादी में जरूर आना' में नजर आईं। उत्तर प्रदेश के एक छोटे शहर की पीसीएस अधिकारी आरती शुक्ला का उनका किरदार आज भी दर्शकों के दिल में ताजा है। कृति ने इस भूमिका को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि उसे जिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म की शूटिंग के दौरान जब वह पारंपरिक दुल्हन के जोड़े में तैयार हुईं, तो सेट का माहौल इतना वास्तविक था कि उन्हें लगा मानो यह उनकी अपनी शादी हो रही हो। शादी की रस्में, सजावट, परिवार का भावुक माहौल इन सबने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। कृति के अनुसार, उस पल में काल्पनिक और वास्तविकता की सीमाएं धुंधली हो गई थीं। उन्होंने बताया कि वह बार-बार भावुक हो जाती थीं, क्योंकि उस दृश्य में वह उस लड़की की भावनाओं को महसूस कर रही थीं, जो अपने सपनों और स्वाभिमान के बीच चुनाव कर रही है। यही गहरा जुड़ाव उनके अभिनय में सच्चाई लेकर आया। इस फिल्म ने कृति को दर्शकों के दिलों में एक मजबूत पहचान दी और यह साबित किया कि वह केवल ग्लैमर का हिस्सा नहीं, बल्कि एक सशक्त अभिनेत्री हैं। कृति ने कहा था कि 'शादी में जरूर आना' उनके जीवन का एक जादुई अनुभव था। उन्हें इस फिल्म से जो प्यार और पहचान मिली, वह किसी भी आर्थिक सफलता से कहीं ज्यादा मायने रखती है। इससे पहले कृति ने कन्नड़ फिल्म 'प्रेम अड्डा' में भी यह दिखाया था कि वह किरदार के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। उस फिल्म में उन्होंने बिना मेकअप के 80 के दशक की ग्रामीण लड़की का किरदार निभाया था। अपनी गोरी रंगत के कारण उस किरदार में ढलना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी मां के साथ मिलकर खुद कपड़े डिजाइन किए ताकि लुक पूरी तरह असली लगे। कृति खरबंदा आज बॉलीवुड में अपनी सादगी, मेहनत और अभिनय की सच्चाई के लिए जानी जाती हैं। उनकी यात्रा यह साबित करती है कि सच्चा अभिनय सिर्फ कैमरे के सामने नहीं, बल्कि दिल के भीतर से जन्म लेता है। बता दें कि कृति खरबंदा एक ऐसा नाम जो सुनते ही चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कभी उनकी शरारती हंसी दिल को छू जाती है, तो कभी उनकी सादगी मन मोह लेती है। दिल्ली में 29 अक्टूबर 1990 को जन्मीं कृति ने कभी नहीं सोचा था कि वह एक दिन बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाएंगी।

# शाहरुख खान के जन्मदिन पर मन्नत के बाहर दुनियाभर से पहुंचे फैंस, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

शाहरुख खान भले ही 60 पार कर गए हों, लेकिन उनके आकर्षण, ऊर्जा और दीवानगी में ज़रा भी कमी नहीं आई। मुंबई की रात जैसे सिर्फ एक नाम किंग खानसे जगमगा उठी । उनके चाहने वालों के लिए यह कोई आम दिन नहीं है, बल्कि एक ऐसा जश्न, जो किसी त्योहार से कम नहीं लगा।

**मन्नत के बाहर उमड़ा जनसैलाब** : जैसे ही घड़ी ने 12 बजाए, मुंबई के बैंडस्टैंड पर समंदर की लहरों जैसी भीड़ उमड़ पड़ी। जापान, दुबई, मिस्र, जर्मनी और भारत के कोने-कोने से आए प्रशंसकों ने मन्नत के बाहर अपनी मौजूदगी से माहौल को जश्न में बदल दिया। हाथों में 'डीडीएलजे', 'पठान', 'जवान' और 'दिल से' के पोस्टर, झंडे और लाइट बोर्ड लिए फैंस बार-बार एक ही नाम पुकार रहे थे, शाहरुख, शाहरुख! सोशल मीडिया पर मन्नत के बाहर के वीडियो लगातार वायरल हो रहे हैं, जिनमें हजारों फैंस 'हैप्पी बर्थडे किंग खान' के नारे लगाते, डांस करते और एक झलक पाने की उम्मीद में आसमान की ओर कैमरे उठाए दिख रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए मन्नत के बाहर सुरक्षा काफी बढ़ा दी गई है ताकि भीड़ को संभाला जा सके।

**जन्मदिन जो बन गया परंपरा** : हर साल की तरह इस बार भी शाहरुख का जन्मदिन किसी ग्लोबल इवेंट से कम नहीं रहा। देश-विदेश से आए फैंस ने पूरे दिन शाहरुख के पोस्टर लगाए, केक काटे, फिल्में चलाईं और उनके डायलॉग्स को दोहराया। कुछ फैंस ने तो खास तौर पर 'बार-बार दिन ये आए' गाकर अपने सुपरस्टार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

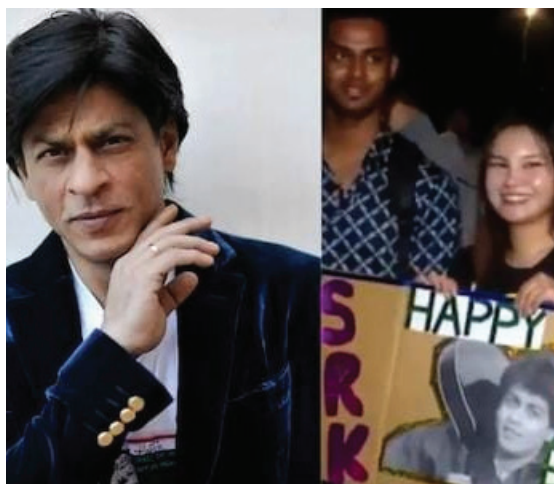

# शानदार फैशन सेंस से सभी का ध्यान खींचा मधुरिमा ने

स्टाइलिश अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने हालिया फोटोशूट में यह साबित किया कि सही स्टाइलिंग से डेनिम जैसा सदाबहार फैब्रिक भी फैशन स्टेटमेंट बन सकता है। अभिनेत्री मधुरिमा तुली ने एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अपने हालिया फोटोशूट में उन्होंने क्लासिक डेनिम-ऑन-डेनिम ट्रेंड को एक नए, मॉडर्न और फ्रेश अंदाज़ में पेश किया। फोटोशूट में मधुरिमा ने हल्के वॉश वाला डेनिम जैकेट और उसी के साथ मैचिंग जींस पहनी, जिससे उनका पूरा लुक एक कोऑर्डिनेटेड और हाई-फ़ैशन स्टाइल में नजर आया। अंदर उन्होंने एक सिंपल सफेद टॉप कैरी किया, जिसने डेनिम के नीले रंग के साथ खूबसूरत कंट्रास्ट बनाया। सफेद रंग की यह झलक उनके पूरे आउटफिट में ताजगी और बैलेंस लेकर आई, जिससे लुक और भी निखर उठा। हालांकि, इस पूरे लुक की असली जान थीं उनकी स्ट्राइकिंग रेड हील्स, जिन्होंने इस कैज़ुअल डेनिम लुक को तुरंत एक बोल्ड फैशन स्टेटमेंट में बदल दिया। म्यूटेड डेनिम ब्लूज़ के बीच लाल रंग की यह झलक एक विज़ुअल बैलेंस बनाती है—जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ आत्मविश्वास की झलक भी दिखाती है। यह इस बात की याद दिलाती है कि एक सही चुना गया ऐक्सेसरी पूरे आउटफिट का मूड बदल सकता है।

# शाहरुख खान के जन्मदिन पर फैंस को 'किंग' का तोहफा

दुनियाभर में 2 नवंबर का दिन शाहरुख खान के नाम लिखा जाता है। इसे अब हर साल 'एसआरके डे' के तौर पर मनाया जाता है, और इस बार का जश्न कुछ ज्यादा ही खास रहा। वजह भी उतनी ही खास है, किंग खान के जन्मदिन पर डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' का टाइटल रिवील वीडियो जारी कर दिया, जिसने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है।

**पहले से भी ज्यादा दमदार अवतार में नजर आएंगे शाहरुख**

फिल्म 'किंग' एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर है, जो स्टाइल, थ्रिल और करिश्मे का नया कॉम्बिनेशन पेश करेगी। सिद्धार्थ आनंद इसे अब तक का अपना सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बता चुके हैं। फिल्म में शाहरुख खान एक ऐसे किरदार में दिखाई देंगे जिसे देखकर दर्शक कहेंगे, 'अब ये है असली किंग।' रिवील वीडियो में शाहरुख खान का सिल्वर बालों वाला, शार्प ईयररिंग्स से सजा और क्लासिक ब्लैक सूट में नजर आने वाला लुक पहले से बिल्कुल अलग है। उनके हाथ में किंग ऑफ हार्ट्स का कार्ड दिखाई देता है, जिसे वह हथियार की तरह थामे हैं, जैसे यह उनके असली टाइटल 'दिलों के बादशाह' का प्रतीक हो।

**डायलॉग ने फैंस में मचा दी सनसनी** : वीडियो में शाहरुख की आवाज गूंजती है, सौ देशों में बदनाम, दुनिया ने दिया सिर्फ एक ही नाम किंग।" 'किंग' का यह टाइटल रिवील सिर्फ एक फिल्म की घोषणा नहीं, बल्कि शाहरुख की शाही पहचान का जश्न है। सिद्धार्थ आनंद ने इसे फैंस के लिए एक जन्मदिन तोहफ़े की तरह पेश किया है, जहां रील और रियल दोनों का किंग, अपने ही नाम से एक नई दास्तान शुरू करने जा रहा है। 2026 में जब 'किंग' रिलीज होगी, तब दुनिया देखेगी कि उम्र सिर्फ एक नंबर है, और असली बादशाह कभी रिटायर नहीं होते, वे बस नया रूप लेकर लौटते हैं, पहले से ज्यादा ख़तरनाक अंदाज़ में।

# मनोरंजन जगत अब सिर्फ बड़े पर्दे तक सीमित नहीं : निकिता दत्ता

अभिनेत्री निकिता दत्ता टीवी और हिंदी सिनेमा का जाना-माना नाम हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया के ज़रिए होने वाली कास्टिंग और अपने ड्रीम प्रोजेक्ट को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस निकिता ने कहा कि मनोरंजन जगत अब सिर्फ बड़े पर्दे तक सीमित नहीं रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने कलाकारों के लिए नई संभावनाएं खोली हैं और दर्शकों को भी व्यापक विकल्प दिए हैं। उन्होंने कहा, "पहले केवल सिनेमाघरों में दिखने वाले अभिनेताओं को ही पहचान मिलती थी, लेकिन अब ओटीटी ने स्थिति बदल दी है। दर्शक बड़े पर्दे के स्टार्स को जितना पसंद करते हैं, उतना ही प्यार ओटीटी कलाकारों को भी देते हैं।" अभिनेत्री ने मौजूदा दौर की कास्टिंग प्रक्रिया पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि आजकल कलाकारों के सोशल मीडिया प्रोफाइल को देखकर भूमिकाएं दी जाती हैं, जबकि असली मूल्यांकन उनके टैलेंट के आधार पर होना चाहिए। निकिता ने कहा, "पहले ऐसा नहीं होता था, लेकिन अब कास्टिंग से पहले आपका सोशल मीडिया प्रोफाइल देखा जाता है। मैं मानती हूं कि यह सही तरीका नहीं है। कास्टिंग केवल प्रतिभा और मेहनत के आधार पर होनी चाहिए, न कि फॉलोवर्स या लाइक्स के आंकड़ों पर।" निकिता दत्ता ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, "शाहरुख खान के साथ काम करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब से मैंने इस इंडस्ट्री में कदम रखा है, तब से यही ड्रीम रहा है कि एक दिन उनके साथ स्क्रीन शेयर कर सकूं।" फिल्म 'कबीर सिंह' को अभिनेत्री ने अपने करियर का टर्निंग पॉइंट बताया। उन्होंने कहा, "इस फिल्म ने मेरी जर्नी में बड़ा बदलाव लाया। टीवी से लेकर बड़े पर्दे तक मेरी पहचान 'कबीर सिंह' से बनी और दर्शकों ने मुझे इस किरदार के बाद खूब प्यार दिया। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी।" निकिता ने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ मराठी फिल्मों में भी अपनी छाप छोड़ी है। हाल ही में उन्होंने 'घरत गणपति' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता, जिसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। टीवी जगत में भी उन्होंने 'ड्रीम गर्ल' (2015), 'एक दूजे के वास्ते' (2016) और 'हासिल' (2017) जैसे लोकप्रिय सीरियल्स से दर्शकों का दिल जीता।

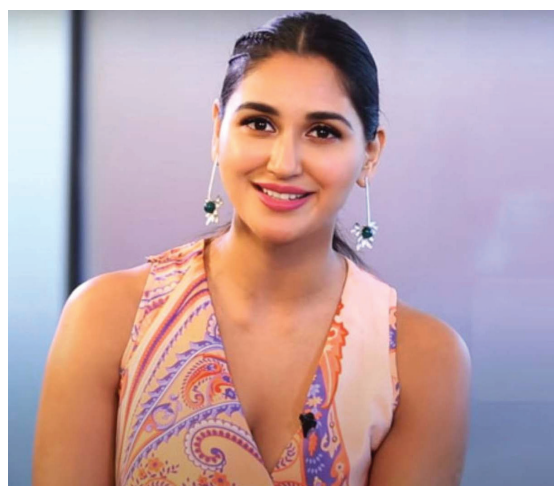

BRIEF NEWS

## Etherise organises 'CoachCraft 25' – an initiative to reshape grassroots sports in India

**Lucknow**. With an aim to give a new direction to India's grassroots sports scene, Etherise organised 'CoachCraft 25' on Saturday. The event was held at Savvy Grand in Gomti Nagar and was attended by over 100 coaches from over 50 schools and academies of Lucknow. The event was completely dedicated to school and academy coaches, who play a vital role in preparing India's future players. It included panel discussions, open house interactions and fun team activities aimed at fostering dialogue, collaboration and innovation among coaches. Nikhil Kumar, Founder & CEO, Etherise, shared the organization's vision and roadmap in his address, saying, "Our goal is to empower schools and coaches to build a strong and developed system for nurturing sporting talent in India. Our focus is to create a clear progression path from the school level to professional sports." At the event, Jose Leon, Advisor, Etherise and former Dentsu and Adobe executive, stressed on the need to make fitness an integral part of education. He said, "With the growing awareness of fitness and sports in India, brands and sponsors are now recognizing athletes at the grassroots level—this change is extremely encouraging." Sports physiotherapist and rehabilitation specialist Yogesh Shetty said in his session, "Success in sports depends not only on physical ability, but also on the balance of mind and recovery. The event concluded on an inspiring note, with the coaches present reaffirming their commitment to strengthening India's sports ecosystem and providing better opportunities to young athletes.

## Awareness campaign to ban single-use plastic – a special initiative of Lucknow Swachh Bharat Abhiyan in Chinhat Ward II

**Lucknow**. Under the Lucknow Swachhta Abhiyan (Cleanliness Campaign), a special campaign was organized to raise public awareness about the ban on single-use plastic under the guidance of Mayor Sushma Kharwal and the leadership of Ward 66 Chinhat II Councilor Shailendra Kumar Verma. During the program, Councilor Shailendra Verma distributed eco-friendly cloth bags to area residents and shopkeepers and appealed to citizens to stop using plastic bags. To honor citizens responsible for cleanliness, "eco-friendly Green Ganesh" idols were presented to families who separate wet and dry waste and hand it over to municipal vehicles. At a street meeting organized as part of the campaign, Councilor Verma provided detailed information to citizens about the environmental impacts of single-use plastic, the importance of waste segregation, and the relationship between cleanliness and sustainable development. He said that active participation of every citizen is necessary in building a clean and green Lucknow. This public awareness campaign is an important step towards the continuous efforts being made by Lucknow Municipal Corporation in the field of cleanliness and environmental protection, which aims to strengthen environmental responsibility and collective participation among the citizens.
,

## Police rescues young man who climbed a water tank

**Lucknow**. A commotion erupted Sunday morning when an unidentified youth climbed atop a water tank in the Railway Colony, under the jurisdiction of the Bazarkhala police station's Gulzarnagar outpost. Upon receiving the information, local police immediately arrived at the scene and, acting with prudence, safely brought the youth down. Upon initial questioning, the youth identified himself as Abhiram, approximately 18 years old. He lives in an orphanage in Odisha and could not provide any information about his parents or relatives. According to police, the youth appears to be mentally retarded. Following the incident, the tank watchman was instructed to lock the stairs and maintain constant surveillance to prevent such a situation from occurring in the future. The police safely handed over the youth to the Railway Protection Force (RPF). The situation at the scene remained completely calm and under control.

## Lucknow Development Authority organizes special camp for property registration

**Lucknow**. The Lucknow Development Authority (LDA) is organizing a special registration camp at the Authority Building from November 3 to November 15, 2025, for the registration of residential and commercial properties. LDA Vice President Prathamesh Kumar issued an order in this regard, stating that the entire registration process will be conducted at a single counter to facilitate allottees. LDA Secretary Vivek Srivastava informed that the Authority has periodically allotted various residential and commercial properties, many of which have not yet been registered. In light of this, this special registration camp is being organized in collaboration with the Authority and the Registration Department. The camp will be held in the Committee Room of the Authority Building from November 3 to November 15. During the first 10 days, LDA officials and employees will prepare the registration documents, while during the final three days, the Registration Department team will be present at the camp to ensure on-site registration and registration procedures. Deputy Secretary Madhvesh Kumar stated that allottees who have deposited the full amount for their property are being notified through the call center to register. Additionally, allottees who have paid 80 percent or more of the property value will also be encouraged to deposit the full amount and register. This initiative is an important step by the LDA towards ensuring allottees' convenience and a transparent registration process.

## Akhilesh Yadav held three public meetings in Bihar, saying the BJP will be wiped out and Tejashwi will become the Chief Minister

**Lucknow** : Samajwadi Party National President and former Chief Minister Akhilesh Yadav today addressed three massive election rallies in the Sarai Ranjan, Sitamarhi, and Chhapra assembly constituencies of Bihar. He appealed for the victory of the All India Alliance candidates. Akhilesh Yadav campaigned in support of RJD candidates Arvind Sahni from Sarai Ranjan, Sunil Kushwaha from Sitamarhi, and Khesari Lal Yadav from Chhapra. In his address, Akhilesh Yadav said that the people of Bihar are voting for change this time. The BJP has given Bihar nothing but poverty and migration. He said that the people are now going to take account of the BJP's 10 years at the center and the Chief Minister's 20 years in the state. The BJP's ouster from Bihar is certain.

# Delhi's Toxic Air Claimed the Lives of 15 Out of Every 100 People

AGENCIES

**New Delhi** . A shocking revelation regarding deaths in Delhi has shaken everyone. In 2023, approximately 15 percent of all deaths in the city were linked to air pollution. Particulate matter like PM2.5 claimed the lives of 17,188 people. This was revealed in a 2023 report released by the Centre for Research on Energy and Clean Air. An analyst stated that PM pollution in Delhi affected 9.4 percent of disability-adjusted life years, the highest in the country. This impacted the lives of 4.9 lakh healthy people. This figure has increased from 15,786 deaths in 2018 to 17,188. The leading cause of death in Delhi is polluted air. Other major risk factors include high systolic blood pressure, accounting for 14,874 deaths (12.5 percent), high fasting plasma glucose (diabetes) accounting for 10,653 deaths (9 percent), high cholesterol accounting for 7267 deaths (6 percent), and high body mass index accounting for 6,698 deaths (5.6 percent). According to the report, pollution is continuously increasing the incidence of heart disease, stroke, lung cancer, chronic obstructive pulmonary disease, and lower respiratory tract infections. Manoj Kumar warned, "This is not just an environmental issue, but a public health crisis. If pollution is not reduced, deaths from respiratory diseases, heart disease, and cancer will further increase." The report stated that effective pollution control could save millions of lives. Dr. Harshal Ramesh Salve, Additional Professor at AIIMS, said that pollution is causing excess deaths, but the number is debatable. These estimates are based on mathematical models. The exposure-response function is not perfect for the Indian population. Nevertheless, rising deaths demand multi-sectoral action. Dr. Nikhil Modi, Senior Consultant at Indraprastha Apollo Hospitals, called the 15 percent figure credible. He stated that pollution exacerbates long-term illnesses, which then lead to death. This has increased in recent years, and more deaths could occur if improvements are not made soon. The pulmonologist clarified that the 15 percent figure does not represent immediate deaths, but rather a chronic stressor from PM2.5 that causes inflammation, oxidative stress, and lung and cardiovascular damage. These estimates come from epidemiological models, which seem accurate given the high pollution levels in Delhi. However, it is true that determining the exact number of deaths is complex because death certificates do not list deaths as being 'due to pollution'. These estimates are derived from robust scientific models using population exposure data, disease etiology, and mortality trends.

## BBAU Law Students Excel in National Moot Court Competition, Bringing University Glory by Securing First Position

**Lucknow**. Students of the Department of Law, School of Legal Studies, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU) have once again brought laurels to the university at the national level. The team comprising students Anju Bala (4th year), Ayush Singh (4th year), and Aviral Dwivedi (2nd year) secured first place in the 3rd Dr. K.L. Thakural Memorial National Moot Court Competition, 2025, held in Indore. The competition was organized by the Faculty of Law, Oriental University, Indore, and teams from various universities across the country participated. The BBAU team impressed the jury with their arguments, presentation, and legal skills to secure the top spot. The winning team was awarded a cash prize of Rs. 30,000 and a trophy. The chief guest at the prize distribution ceremony was Justice I.S. Singh, former judge of the Madhya Pradesh High Court. Shrivastava honored the winners.

# PM Modi is making outright false and reprehensible statements: Congress

AGENCIES

**New Delhi**. Congress President Mallikarjun Kharge strongly protested against Prime Minister Narendra Modi's statement in which Modi had said that Pandit Jawaharlal Nehru did not want the complete integration of Jammu and Kashmir. Kharge said that this statement is completely false and reprehensible and the Prime Minister should read the correspondence between Patel and Nehru at that time and the discussions of the Constituent Assembly. In fact, PM Modi had said on Friday that Sardar Patel wanted to integrate the entire Kashmir into the Indian Union, just like other princely states, but the then Prime Minister Jawaharlal Nehru did not allow it to happen. Responding to this, Congress President Kharge posted on the social media platform X, saying that PM Modi's statement that Pandit Jawaharlal Nehru did not want the integration of Kashmir into India is completely false and reprehensible. He said that during the process of Jammu and Kashmir's integration into India, Pandit Jawaharlal Nehru was in contact with Sheikh Abdullah, the leader of the people of Kashmir, while Sardar Patel was in contact with the then Maharaja Hari Singh of Jammu and Kashmir. Both leaders were persuading Sheikh Abdullah and Hari Singh that the integration of the state of Jammu and Kashmir into India was in the best interest of the people of Jammu and Kashmir. Here, he cited the book 'Sardar Patel Selected Correspondence' compiled by V. Shankar, saying that it mentions at least 50 letters that reflect the joint efforts of Nehru and Patel. The Congress President also said that in a letter dated September 27, 1947, Nehru had mentioned to Patel the conspiracy and strategy of the Pakistani tribal attack and had spoken of the need for a quick decision. Along with this, Kharge advised PM Modi to learn the truth and said that he should himself read the relevant correspondence and the debates of the Constituent Assembly; doing so will reveal the true nature of history. He also said that in the context of Article 370, Patel's role and the closeness between Nehru and Patel cannot be ignored. Article 370 was actually an achievement of Sardar Patel.

# Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar speaks on Bihar elections: Zero tolerance for violence, Bihar ready for peaceful elections

AGENCIES

**Kanpur**. Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar said on Sunday that the Election Commission of India is fully committed to conducting the Bihar Assembly elections in 2025 in a completely peaceful, fair, and transparent manner. He clarified that the Commission's policy is one of zero tolerance towards violence, and any kind of violent incident will not be tolerated.<Speaking to the media in Kanpur, Kumar said, "We are fully prepared to ensure that voters can cast their votes without fear. All 243 returning officers, observers, district magistrates, SPs, and election personnel in the state are ready for free and fair elections." He appealed to the voters of Bihar to participate enthusiastically in this great festival of democracy and exercise their right to vote. The Chief Election Commissioner's statement comes after the recent murder of leader Dularchand Yadav at a Jan Suraj candidate Piyush Priyadarshini's rally in Mokama. JDU candidate Anant Kumar Singh has been arrested in this case. Taking serious note of this incident, the Commission has directed all districts to maintain strict vigilance and take prompt action. Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar, who was in Kanpur to receive the Distinguished Alumnus Award (DAA) at IIT Kanpur, said that the Commission stands firm on the principle of impartiality. He said, "For the Election Commission, there is no ruling party or opposition; everyone is equal. Our only goal is to conduct fair and transparent elections." It is noteworthy that the first phase of the Bihar Assembly elections is scheduled for November 6, the second phase for November 11, and the counting of votes for November 14, 2025.

# NITI Aayog's Regional Meeting in Thiruvananthapuram Focuses on Making Research Easier and More Effective in India

AGENCIES

**Thiruvananthapuram**. To promote research and innovation in the country, NITI Aayog held its eighth regional consultative meeting on 'Ease of Doing Research and Development' in Thiruvananthapuram. Representatives from scientific ministries, universities, and research institutions discussed how to make research activities in India easier, more effective, and more impactful.<The meeting was held on October 30 and 31 at the National Centre for Earth Science Studies (NCESS). The program began with a welcome address by the Director of NCESS, Prof. N.V. Chalapathi Rao. He stated that regional research institutions in the country can play a crucial role in innovation-driven development. Prof. Vivek Kumar Singh of NITI Aayog presented the ROPE framework and explained that its objective is to create a conducive environment for researchers by removing the obstacles they face. Dr. M. Ravichandran, Secretary of the Ministry of Earth Sciences, suggested utilizing the experience of retired scientists, strengthening university-industry-government collaboration, and connecting research to society so that its results reach the people. Dr. V.K. Saraswat, Member of NITI Aayog, said that it is essential to improve both the internal systems of institutions and the external policy framework for R&D. Kerala Governor Rajendra Vishwanath Arlekar, addressing the gathering, said that "Ease of Doing R&D" is directly related to the "Ease of Living" of citizens, and connecting science with people-centric development is the need of the hour. The two-day meeting concluded with discussions among representatives from various institutions, laboratories, and government bodies, all pledging to create a collaborative and effective research ecosystem in India.

# Libraries as trusted guides to knowledge in the digital age: VP

AGENCIES

**New Delhi**. Vice President C.P. Radhakrishnan said that libraries are not merely repositories of books, but temples of knowledge, reflection, and empowerment. Addressing the international conference 'Libraries Empowering Communities – Global Perspectives,' organized by the P.N. Panicker Foundation at the Kanakakkunnu Palace in Thiruvananthapuram on Saturday, to commemorate 80 years of the organized library movement in Kerala, Vice President Radhakrishnan said that the Foundation has made a significant contribution to empowering society through a culture of reading, digital literacy, and knowledge. The Foundation's motto, "Vayichu Valaruka" (Read and Grow), continues to inspire society towards knowledge and inclusion. Radhakrishnan said that India has been a land of knowledge and education since ancient times. Adi Shankaracharya traveled across the country, spreading the message of spiritual consciousness and unity in society. Many sages, saints, and thinkers of India have enriched this civilization with their compassion, wisdom, and foresight. He said that in today's digital age, where there is an abundance of information, libraries remain centers of true and reliable knowledge. He added that technology provides instant access to information, but libraries promote depth, reflection, and meaningful dialogue.

# First Defeat Shah and Modi, Then Talk About the RSS: Baba Ramdev Attacks Kharge

AGENCIES

**New Delhi**. Yoga guru Baba Ramdev strongly opposed Congress President Mallikarjun Kharge's statement about banning the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), saying that if anyone wants to fight, they should fight Modi and Amit Shah, not the RSS. Ramdev said that the RSS is not a political party; its political wing is the BJP, and he has been closely observing the Sangh for several decades.

In fact, Congress President Kharge had recently said that it was his personal opinion that the RSS should be banned because, according to him, the RSS and the BJP are responsible for law and order problems in the country. His statement intensified the political debate and drew several reactions. Speaking to the media, Baba Ramdev said, "If you want to fight, fight Amit Shah and Modi ji. They can't even defeat them, yet they keep making derogatory remarks about the RSS." He further added that the RSS is a nationalist organization like the Arya Samaj and has many ascetics and patriotic people; when an organization opposes anti-national forces, there is a hidden agenda behind the opposition. RSS and BJP leaders have also sharply criticized Kharge's statement. The organization said that the RSS cannot be banned at anyone's whim and that the Sangh has widespread acceptance in society; some leaders termed Kharge's statement as provocative.

# Passenger Plane Makes Safe Landing in Mumbai Instead of Hyderabad After Human Bomb Threat

AGENCIES

**Hyderabad**. An IndiGo Airlines flight from Jeddah to Hyderabad was diverted to Mumbai due to security reasons. The Rajiv Gandhi International Airport (RGIA) received an email threatening a human bomb attack. Authorities immediately took action and the aircraft was safely landed at Mumbai airport.According to airport officials, a threatening email was received around 5:30 AM on Saturday, stating that members of the LTTE-ISI were on board IndiGo flight 6E-68 and were planning an explosion similar to the 1984 Madras Airport bombing. The email warned against landing the aircraft in Hyderabad. Upon receiving the threat, the Airport Authority, police, and other security agencies were alerted. The flight's route was changed, and it was diverted to Mumbai, where a thorough inspection of the aircraft was conducted in the presence of all security agencies. After the inspection, no explosive material or suspicious objects were found. An IndiGo spokesperson told the media that the airline fully complied with security protocols and immediately informed the relevant authorities. The spokesperson said, "We prioritized the safety and convenience of our passengers. They were provided with refreshments and necessary information until the investigation was complete." In this regard, the police said that an investigation into the threatening email has been initiated, and cyber experts are trying to trace the origin of the email. Preliminary investigations suggest that this appears to be a hoax message sent by mischievous elements, but the police are seriously investigating all possibilities.